

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 295]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 19, 2014/अग्रहायण 28, 1936

No. 295]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 19, 2014/AGRAHAYANA 28, 1936

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2014

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "शीट ग्लास" के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

फाइल सं.14/22/2013-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसके अंतर्गत बने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षिति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

1. यतः, भारत ग्लास ट्यूब लिमिटेड ने घरेलू उद्योग की ओर से एक आवेदनपत्र चीन जन.गण. (जिसे एतद्पश्चात "संबद्ध देश" कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित शीट ग्लास (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन का आरोप लगाते हुए दायर किया है और संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण करने के लिए पाटनरोधी शुल्क की शुरूआत करने का अनुरोध किया है।

5035 GI/2014 (1)

2. और यतः, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने, जो यदि उद्ग्रहीत की गई तो, घरेलू उद्योग की क्षिति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार पाटनरोधी जांच प्रारंभ करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में दिनांक 20 दिसम्बर, 2013 को प्रकाशित एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया।

क. प्रक्रिया

- 3. वर्तमान जांच की शुरूआत को अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक नोटिस जारी करने के पश्चात प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया :
- (i) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच की प्रक्रिया प्रारंभ करने से पहले पाटनरोधी आवेदनपत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में संबद्घ देश के राजदूतावास/प्रितिनिधियों को इसकी सूचना दी।
- (ii) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने, जो यदि उद्ग्रहीत की गई तो, घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार पाटनरोधी जांच प्रारंभ करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में दिनांक 20 दिसम्बर, 2013 को प्रकाशित एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया।
- (iii) इस जांच शुरूआत अधिसूचना की प्रति संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को भारत में संबद्ध देश के राजदूतावास को, भारत में संबद्ध वस्तु के आयातकों/प्रयोक्ताओं को, घरेलू उत्पादकों तथा अन्य ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को इस अनुरोध के साथ भेजी गई कि वे अपना प्रत्युत्तर दायर करे और अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं।
- (iv) प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय पाठ की प्रतियां संबद्घ देश में संबद्घ वस्तु के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को तथा भारत में संबद्घ देश के राजदूतावास/प्रतिनिधियों को पूर्वोक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार प्रदान कराई।
- (v) निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भारत में संबद्घ देश के राजदूतावास/प्रतिनिधियों को, निर्यातकों के नाम और पते सिहत इस अनुरोध के साथ प्रेषित की कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को विहित समय के अंदर प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रेषित करने की सलाह दें।
- (vi) जांच शुरूआत की अधिसूचना संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों को भी प्रेषित की गई :
 - (क) आरएसटी इंटरनेशनल ग्लास कपंनी लिमिटेड
 - (ख) राइडर ग्लास कंपनी लिमिटेड
 - (ग) शौगुआंग जिंगयाओं ग्लास प्रोडक्ट कंपनी लिमिटेड

- (vii) संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया :
 - (क) शानडांग गुआगयाओं सुपर थिन ग्लास कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
 - (ख) शानडांग याओबैंग आयात एवं निर्यात इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
 - (ग) डांगुआन सीएसजी आर्किटेक्चरल ग्लास कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
 - (घ) गुआंग्क्सी फंगरिक आयात एवं निर्यात कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- (viii) भारत में संबद्ध वस्तु के निम्निलिखित ज्ञात आयातकों और/या उपभोक्ताओं को आयातक प्रश्नाविलयां पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए प्रेषित की :
 - (क) टेक आर्क सल्यूशन्स
 - (ख) पोलर इंडस्ट्रियल कारपोरेशन
 - (ग) शिव शक्ति इंटरप्राइजेज
 - (घ) कृष्ण ग्लास वर्क प्राइवेट लिमिटेड
 - (ङ) गंगा जमुना इंटरप्राइजेज
 - (च) जे. के. सेल्स कारपोरेशन
 - (छ) शिव कारपोरेशन
 - (ज) अजन्ता लिमिटेड
 - (झ) रिकान क्लाक मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी
 - (ञ) श्रीजी इंजीनियरिंग
- (ix) केवल मैसर्स अजन्ता प्राइवेट लिमिटेड और आर. एस. बावा एंड सन्स द्वारा ही आयातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया गया। तथापि, सिम्प्लेक्स ग्लास वर्क्स, जिसने कोई प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया, ने भी लिखित प्रस्तुतिकरण किया।
- (x) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और दस्तावेजों का अगोपनीय पाठ विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया।
- (xi) गैर-क्षतिकारी कीमत का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 और सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर संबद्ध वस्तु को बनाने तथा उसकी बिक्री करने की लागत और उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है जिससे कि यह सुनिश्चय हो सके कि क्या पाटन मार्जिन सेन्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (xii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां कहीं आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और उक्त सूचना को गोपनीय के रूप में माना गया और उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। जहां कहीं संभव हुआ, गोपनीय आधार पर

सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों से कहा गया कि वे गोपनीय आधार पर दर्ज की गई सूचना का पर्यापत अगोपनीय पाठ भी प्रदान कराएं।

- (xiii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रदान कराई गई सूचना का याचिकाकर्ता के परिसर पर जाकर स्थल सत्यापन कराया गया। वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ केवल इस सत्यापित सूचना, यथावश्यक संशोधनों सिहत, पर ही भरोसा किया गया है।
- (xiv) यह जांच 1 जुलाई, 2012 से प्रारंभ करके 30 जून, 2013 (पीओआई) तक की अवधि के लिए की गई है। तथापि, क्षिति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच के लिए अप्रैल, 2010 मार्च, 2011, अप्रैल 2011 मार्च, 2012, अप्रैल 2012 मार्च, 2013 तथा जांच की अवधि को भी शामिल किया गया है।
- (xv) पूर्वोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए माने गए अनिवार्य तथ्यों/आधार का प्रकटन सभी हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 09 दिसम्बर, 2014 के प्रकटन विवरण के तहत कर दिया गया है और उन पर प्राप्त टिप्पणियों का प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक, इस अधिसूचना में समाधान कर दिया गया है।
- (xvi) इस अंतिम जांच परिणाम में *** यह हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को अभिव्यक्त करता है और नियमों के अंतर्गत उसे वैसा ही माना गया है।
- (xvii) जांच की अवधि के लिए अंगीकृत विनिमय दर 1 यूएस डालर = 55.15 रुपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद तथा घरेलू समान वस्तु

- 4. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल का अथवा वहां से निर्यातित शीट ग्लास है। इसका उत्पादन क्षेतिज लहर का प्रयोग करके किया जाता है। यह ग्लास सीधे पिघले हुए पदार्थ के मुक्त तले से लिया जाता है और इस शीट के किनारों को रोटेटिंग बाडीज़ का प्रयोग करके ग्लास के ऊपर की ओर ड्राइव करके स्थित किया जाता है। यह पिघला हुआ ग्लास एक ग्लास फरनेस से वर्टिकल ड्राइंग मशीन से होकर लगभग 1000 एमएम की ऊंचाई तक ले जाया जाता है जहां से इस बने हुए ग्लास को हारिजन्टल फ्लो द्वारा ग्लास शीट में संपरिवर्तित कर दिया जाता है। एक बार शीट बन जाने पर इसे पालिश्ड मेटल रोल के ऊपर झुकाया जाता है और लहर में क्षैतिज रूप से उसे ले जाया जाता है। फ्लोट ग्लास, फिगर्ड तथा वायर्ड ग्लास को इस विचाराधीन उत्पाद के दायरे के अंतर्गत कवर नहीं किया जाता है।
- 5. इस विचाराधीन उत्पाद को अध्याय 70 में "ग्लास एंड ग्लास वेअर" के अंतर्गत और फिर 7004.20 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। यह वर्गीकरण 8 अंकीय स्तर का 70042011 और 70042019 है। इस संबद्ध वस्तु का आयात अन्य विभिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत भी किया जाता है जैसे 70031290, 70031990, 70033090, 70042099, 70049019, 70049099, 70052110, 70053090, 70091090 आदि। तथापि, यह वर्गीकरण के वल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे के अंतर्गत बाध्यकारी नहीं है।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/आय हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

6. शान्डांग गुआंगयाओ सुपरिथन ग्लास कंपनी लिमिटेड और चाइना पीआर शैन्गुआंग याओबैंग इम्प एंड एक्सप इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चाइना पीआर और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की आयातक कंपनी अजंता लिमिटेड ने प्रस्तुत किया है कि शीट और फ्लोट ग्लास को कुछ भौतिक गुणधर्मी और अंतिम प्रयोग एवं अंतर्निमेयता के कारण डब्ल्यूटीओ एडीए के अनुच्छेद 2.6 के अनुरूप "समान उत्पाद" माना जाना चाहिए।

- 7. 2 एमएम और उससे कम की मोटाई और 920 एमएम X 1220 एमएम से अधिक की चौड़ाई के शीट ग्लास को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए क्योंकि आवेदक घरेलू उद्योग उनका उत्पादन करने में सक्षम नहीं है।
- 8. घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु के आकार, उसकी गुणवत्ता, श्रेणी और प्रयोग के संबंध में उत्पाद का कोई विवरण या विनिर्देशन प्रदान नहीं कराया है। आवेदक घरेलू उद्योग ने शीट ग्लास की मोटाई और उसके आकार को भी परिभाषित नहीं किया है।
- 9. भारत ग्लास सभी मोटाई के शीट ग्लास का उत्पादन नहीं कर रहा है। इसके अतिरिक्त, कलर शीट ग्लास का उत्पादन करने की इसकी क्षमता नहीं है और भारत ग्लास द्वारा विनिर्मित उत्पाद गुणवत्तापूर्ण नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण

- 10. घरेलू उद्योग ने प्रस्तुतिकरण किया है कि शीट एवं फ्लोट ग्लास दोनों को "समान उत्पाद" के रूप में नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि शीट ग्लास और फ्लोट ग्लास दो पृथक उत्पाद हैं जिनके तकनीकी अभिलक्षण, कीमत और लागत भिन्न होते हैं। इसके अतिरिक्त, यह प्रस्तुतीकरण किया गया है कि विगत में भी प्राधिकारी ने फ्लोट ग्लास पर पाटनरोधी जांच प्रारंभ की और पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की है परंतु शीट ग्लास को विचाराधीन उत्पाद के अंतर्गत केवल इस कारण से शामिल नहीं किया गया कि इन दोनों उत्पादों के तकनीकी अभिलक्षण कीमत और विपणनीयता और लागत अलग-अलग हैं। इस संदर्भ में उनके दावे को साक्ष्यांकित करने के उद्देश्य से घरेलू उद्योग ने चीन जन.गण. और इंडोनिशिया से फ्लोट ग्लास के आयातों के विरूद्ध 02 दिसम्बर, 2008 के अंतिम जांच परिणाम संख्या 15/01/2007-डीजीएडी से संगत भाग उद्धत किया है।
- 11. घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे में कोई दम नहीं है कि घरेलू उद्योग 2 एमएम और उससे कम की मोटाई के शीट ग्लास तथा 920 एमएम X 1220 एमएम से ऊपर के आकार के शीट ग्लास का उत्पादन करने में समर्थ नहीं है। अपने दावे के साक्ष्य के रूप में घरेलू उद्योग ने 2 एमएम और उससे कम के शीट ग्लास की बिक्री के कुछ नमूना बीजक प्रस्तुत किए हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि 12 एमएम की मोटाई के शीट ग्लास का उत्पादन करने की इसकी क्षमता है। इसने पुन: यह प्रस्तुतिकरण किया है कि विभिन्न मोटाई के संबद्ध वस्तु का वास्तविक उत्पादन बाजार में मांग के अनुरूप किया जाता है।
- 12. घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि इसम मामले में न तो ग्रेड और न ही आकार संगत हैं क्योंकि घरेलू उद्योग या तो संबंधित उत्पाद के सभी टाइप/ग्रेड/मोटाई का उत्पादन करता है या सभी टाइप/ग्रेडों/मोटाई के संबद्घ उत्पाद का उत्पादन करने की इसकी क्षमता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

13. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल का अथवा वहां से निर्यातित "शीट ग्लास" है।

- 14. यह ग्लास सीधे पिघले हुए पदार्थ के मुक्त तले से लिया जाता है और इस शीट के किनारों को रोटेटिंग बाडीज़ का प्रयोग करके ग्लास के ऊपर की ओर ड्राइव करके स्थित किया जाता है। यह पिघला हुआ ग्लास एक ग्लास फरनेस से वर्टिकल ड्राइंग मशीन से होकर लगभग 1000 एमएम की ऊंचाई तक ले जाया जाता है जहां से इस बने हुए ग्लास को हारिजन्टल फ्लो द्वारा ग्लास शीट में संपरिवर्तित कर दिया जाता है। एक बार शीट बन जाने पर इसे पालिश्ड मेटल रोल के ऊपर झुकाया जाता है और लहर में क्षैतिज रूप से उसे ले जाया जाता है।
- 15. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्निलिखित प्रावधान है :

 "समान वस्तु" का आशय उस वस्तु से होता है जो भारत में पाटित किए गए जा रहे जांचाधीन वस्तु
 के समरूप या सभी तरह से समान हो या ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य वस्तु जो यद्यपि सभी

 रूपों में समान न हो फिर भी जो जांचाधीन वस्तु को निकट से प्रतिरूपित करती हो।"
- 6. विचाराधीन उत्पाद तथा घरेल् समान वस्तु के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरण और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरणों की जांच और उनका समाधान निम्नवत किया गया है:
- (i) याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु गुणधर्मों के रूप में जैसे तकनीकी गुणधर्म, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण के रूप में तुलनीय हैं। आवेदक और प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुति किए गए उत्पाद एवं आयात आंकड़े यह संकेत करते है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है। विनिर्माण प्रक्रिया में समानता और प्रतिस्थापनीयता में समाधान को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह प्रतिवादित करते हैं कि इस मामले में "विचाराधीन उत्पाद" को परिभाषित करने के प्रयोजनार्थ समान और एक उत्पाद के रूप में माना जा रहा है।
- (ii) जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि शीट ग्लास और फ्लोट ग्लास को समान उत्पाद के रूप में माना जाना चाहिए। प्राधिकारी यह प्रतिपादित करते हैं कि शीट ग्लास और फ्लोट ग्लास दो अलग-अलग उत्पाद हैं जिनके तकनीकी विनिर्देशन, कीमत और लागत पृथक होती है।
- (iii) हितबद्ध पक्षकारों के इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि 2 एमएम और उससे कम की मोटाई तथा 920 एमएम x 1220 एमएम के आकार के शीट ग्लास को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से इस कारण से हटा दिया जाना चाहिए क्योंकि आवेदक घरेलू उत्पाद उनका उत्पादन करने में सक्षम नहीं हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने 2 एमएम और उससे कम की मोटाई के शीट ग्लास का उत्पादन किया है। आकार के मुद्दे से समान वस्तु के सिद्धांत के आधार पर उसका अपवर्जन नहीं किया जा सकता है।

ग. विचाराधीन उत्पाद का दायरा एवं आधार

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

17. हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुतिकरण किया है कि आवेदक घरेलू उद्योग पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छे 4.1 के अनुरूप "घरेलू उद्योग" नहीं बनता है क्योंकि शीट ग्लास और फ्लोट ग्लास दोनों को समान अभिलक्षणों, अंतिम प्रयोग तथा प्रतिस्थापनीयता के कारण

डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.6 के अनुरूप "समान उत्पाद" के रूप में माना जाता है। इसके परिणामस्वरूप, इस विचाराधीन उत्पाद के वर्ष 2010-11 में कुल उत्पादन में घरेलू उद्योग का हिस्सा केवल 3.6 प्रतिशत है। यह हिस्सा वर्ष 2011-12 में और अधिक घटकर केवल 2.8 प्रतिशत रह गया जिसे किसी भी हाल में संबद्ध वस्तु के "बड़े अनुपात" के रूप में नहीं माना जा सकता है और इसलिए आवेदक घरेलू उत्पादक "घरेलू उद्योग" की परिभाषा को संतुष्ट नहीं करता है।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण

18. घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क है कि शीट ग्लास और फ्लोट ग्लास दोनों को "समान उत्पाद" के रूप में माना जाए, उपर्युक्त कारणों से निराधार है। इसलिए इस तर्क में कोई दम नहीं है। घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि संबद्ध वस्तु के कुल भारतीय उत्पाद में उनकी 100 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 19. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में घरेलू उद्योग को निम्नवत परिभाषित किया गया है :
 - "घरेलू उद्योग" का आशय समान वस्तु के विनिर्माण या उससे जुड़े किसी अन्य कार्यकलाप में समग्र रूप से लगे घरेलू उत्पादकों से है या उन घरेलू उत्पादकों से है जिनका सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पाद का एक बड़ा हिस्सा बनता हों, सिवाय इसके कि यह उत्पादक कथित पाटित वस्तु के आयातकों या निर्यातकों से संबद्ध हो या उसके स्वयं उत्पादक हो, ऐसे मामले में वाक्यांश "घरेलू उद्योग" को यह माना जाएगा कि उससे शेष उत्पादकों का उल्लेख हो रहा है।"
- 20. वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग की ओर से भारत ग्लास ट्यूब लिमिटेड द्वारा आवेदन दायर किया गया है। आवेदक द्वारा किए गए दावे के अनुसार यह देश में संबद्ध वस्तु का एकल उत्पादक है।
- 21. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे का संबंध है कि "घरेलू उद्योग" का निर्धारण यह विचार करते हुए किया जाना चाहिए कि शीट ग्लास और फ्लोट ग्लास समान उत्पाद हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि शीट ग्लास और फ्लोट ग्लास दोनों अलग-अलग उत्पाद हैं और उन्हें ऊपर उल्लिखित कारणों से "समान वस्तु" के रूप में नहीं माना जा सकता है। ऐसा मामला होने पर हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क को भी नामंजूर कर दिया जाता है कि घरेलू उद्योग की स्थिति का निर्धारण फ्लोट ग्लास के उत्पादन को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।
- 22. तथ्यों की विस्तृत जांच करने पर प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि भारत ग्लास ट्यूब लिमिटेड ने जांच की अविध के दौरान संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन के 100 प्रतिशत का उत्पादन किया है। पुनः यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पाद का न तो आयात किया है और न ही उनका इस विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक या निर्यातक से कोई संबंध है। अतः, याचिकाकर्ता, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुरूप "घरेलू उद्योग" है। यह भी स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की ओर से या उनके द्वारा किया गया आवेदन पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अंतर्गत "आधार" की जरूरत को पूरा करता है।

घ. गोपनीयता

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

23. गोपनीयता के संबद्ध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतिकरण किए गए हैं और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं :

- (i) इस याचिका में बेशी गोपनीयता का दावा किया गया है। इस याचिका में निर्यात कीमत के दावाकृत समायोजन के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है।
- (ii) घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु के संबंध में अधिक सूचना और गुणवत्ता, श्रेणी, प्रयोग आदि की अधिक जानकारी प्रदान नहीं कराई है।
- (iii) आवेदक घरेलू उत्पादक द्वारा दायर आवेदनपत्र में आवेदन प्रारूप का उल्लंघन किया गया है जैसे आवेदनपत्र में प्रपत्र IVख है ही नहीं।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 24. गोपनीयता के मुद्दे के संबंध में घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे में कोई दम नहीं है कि घरेलू उद्योग ने आवेदन प्रपत्र का उल्लंघन किया है। घरेलू उद्योग ने यह आवेदनपत्र पाटनरोधी नियमावली और विहित प्रारूप के अनुरूप दायर किया है। इसके अतिरिक्त, प्रपत्र ।∨ख के संबंध में भी सूचना संगत स्थानों पर आवेदन के अगोपनीय पाठ के रूप में दी गई है। इसके अतिरिक्त, यह प्रस्तुत किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने विधिक प्रावधानों के अनुसार और प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए दिशानिर्देशों के अनुरूप उपयुक्त कारणों से अपने व्यवसाय से संबंधित संवेदनशील सूचना की गोपनीयता का दावा किया है।
- 25. दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि प्रतिभागिताकारी निर्यातकों ने बेशी गोपनीयता का दावा किया है। यह प्रस्तुतिकरण किया जाता है कि निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली में यथा विनिर्धारित विभिन्न परिशिष्टों जैसे परिशिष्ट-2, परिशिष्ट-2क, परिशिष्ट-3, परिशिष्ट-4, परिशिष्ट-7 आदि का सार्थक सार प्रस्तुत नहीं किया है। उपर्युक्त सभी परिशिष्टों में अनुक्रमित रूप में भी सूचना प्रदान नहीं कराई गई है। इसके अतिरिक्त, उत्पादन, भारत को निर्यात, घरेलू बिक्रियों और क्षमता से संबंधित विवरणों का भी गोपनीय के रूप में दावा किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

26. गोपनीयता के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरणों की जांच की गई है। पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान है :

गोपनीय सूचना : नियम 6 के उपनियम (7), नियम 12 के उपनियम (2), (3) (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) तथा अन्य उपनियमों में किसी बात के होते हुए भी नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनपत्रों की प्रतियों, या जांच की कार्रवाई में किसी पक्षकार द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी को गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई किसी अन्य सूचना को, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसकी गोपनीयता के संबंध में संतुष्ट हो जाने पर, उसे गोपनीय के रूप में माना जाएगा और ऐसी सूचना का, उक्त सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकृतीकरण के बिना, किसी अन्य पक्षकार को प्रकटन नहीं किया जाएगा।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकार से यह अपेक्षा कर सकते हैं कि वे उस सूचना का अगोपनीय सार प्रस्तुत करे और यदि ऐसी सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकार की राय में, उक्त सूचना का सारांश प्रस्तुत करना संभव नहीं है तो उक्त पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को उन कारणों का स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करेगा कि उसका सारांश प्रस्तुत करना संभव क्यों नहीं है।

- (3) उपनियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि गोपनीयता के लिए अनुरोध वांछित नहीं है या ऐसी सूचना का प्रदाता या तो इस सूचना का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने का इच्छुक नहीं है या उसका प्रकटन सामान्यीकृत या सारांश रूप में आय करना नहीं चाहता है तो प्राधिकारी ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।
- 27. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां कहीं वांछित हुआ, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और उक्त सूचना को गोपनीय माना गया तथा उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। जहां तक संभव हुआ, वहां तक गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों को यह निदेश दिया गया कि गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया।
- 28. विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों के इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि याचिकाकर्ता को संबद्ध वस्तु की गुणवत्ता, श्रेणी, प्रयोगों आदि के संबंध में सूचना प्रदान करानी चाहिए थी, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु के प्रयोगों के संबंध में सूचना प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत आवेदनपत्र में पहले ही उपलब्ध करा दी है। प्राधिकारी ने आवेदनपत्र के अगोपनीय पाठ की एक प्रति सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को भेज दी है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने इसे सार्वजनिक फाइल में भी उपलब्ध करा दिया है।

ड. विविध प्रस्तुतिकरण

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 29. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विविध प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं :
 - (i) आवेदक घरेलू उद्योग ने अपने सामान्य मूल्य का निर्माण करने में किसी साक्ष्य का न तो प्रकटन किया है और न ही उसका निर्धारण करने की सही प्रक्रिया का पालन किया है। आवेदक घरेलू उद्योग को उस कीमत का आश्रय लेना अपेक्षित है जिसपर संबद्ध वस्तु का निर्यात, भारत सहित तृतीय देशों से अन्य देशों को किया गया है क्योंकि यूएन कामट्रेड में वही उपलब्ध है।
 - (ii) इस आवेदन में निर्यात कीमत का समायोजन करने के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं है।
 - (iii) आवेदक घरेलू उत्पादक का इसकी वर्ष 2012-13 के तुलनापत्र में दिया गया उत्पादन यह उल्लेख करता है कि शीट ग्लास का 5125475 (वर्गमीटर 2 एमएम आधार) का उत्पादन किया गया जो 25002 एमटी की राशि का है। तथापि, आवेदक घरेलू उत्पादक द्वारा अपनी याचिका में दावाकृत उत्पादन 24788 एमटी है जिससे उत्पादन आंकड़ों में अपथार्थता प्रदर्शित होती है।
 - (iv) याचिका में क्षिति के अपने दावे के ठीक विपरीत आवेदक घरेलू उत्पादन ने अपने वर्ष 2012-13 के तुलनपत्र में यह उल्लेख किया है कि वर्ष 2012-13 में इसके निवल लाभ में वर्ष 2011-12 की तुलना में 100.84 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

- (v) जांच की अविध के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा सामान्य मूल्य की संगणना करने के लिए अपनाया गया यूएसडी विनिमय दर 55 है। तथापि, आरबीआई के अनुसार यूएसडी की वर्तमान प्रचलित दर 62.2 है।
- (vi) शुल्क, यदि कोई, का अधिरोपण संदर्भ कीमत आधार पर किया जा सकता है।
- (vii) आवेदक ने अपनी लेखाकरण नीति में परिवर्तन कर दिया है जिसका वर्ष के दौरान प्रभारित अपक्षयण राशि पर प्रभाव पड़ सकता है। हितबद्ध पक्षकारों ने इस मुद्दे की जांच करने का अन्रोध किया है।
- (viii) हितबद्ध पक्षकारों ने डीजीएडी से यह अनुरोध किया है कि वह आवेदक को यह स्पष्टीकरण देने का निदेश दें कि उसने अपरिष्कृत आयात आंकड़ों से अपने आंकड़े किस तरह छांटे हैं और उन्हें यह निदेश देने का अनुरोध भी किया है कि वह प्रतिवादी को सौदावार अपरिष्कृत आयात आंकड़े तथा छांटे गए आयात आंकड़े एमएस एक्सेल फार्मेट में उपलब्ध कराए।
- (ix) निर्यातक अर्थात गुआंग्क्सी फिन्ग्रिक इम्प एंड एक्सपोर्टर कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. को इस जांच शुरूआत से संबंधित को पत्र प्रेषित नहीं किया गया। तदनुसार, उसने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि वह प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए विलंबित प्रत्युत्तर को स्वीकार कर ले।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 30. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विविध प्रस्तुतिकरण और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं :
- i. चीन को संपूर्ण विश्व में विभिन्न प्राधिकारियों द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। तदनुसार, घरेलू उद्योग ने उसके लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार किया है। इसके अतिरिक्त, जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस सुझाव का संबंध है कि आवेदक घरेलू उत्पादक को तृतीय देश से अन्य देशों को संबद्ध वस्तु की कीमतों, खासकर तब जब कि यह संबंधित यूएन कामरेड पर उपलब्ध है, का आश्रय लेना अपेक्षित है, यह प्रस्तुत किया जाता है कि आयातों और निर्यातों के संबंध में यूएन कामरेड आंकड़े समेकित स्तर पर उपलब्ध है और न कि यह आंकड़े सौदावार उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, उत्पाद विवरण भी उपलब्ध नहीं है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी का ध्यान इस तथ्य की ओर आकृष्ट किया है कि इस विचाराधीन उत्पाद का एचएस कोड 70042011 और 70042019 है। तथापि, इस संबद्ध वस्तु का आयात अन्य एचएस कोडों के अंतर्गत भी किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, अपरिष्कृत आयात आंकड़ों का अध्ययन करने के पश्चात यह स्पष्ट है कि कई उत्पाद, जो इस विचाराधीन उत्पाद के दायरे के अंतर्गत नहीं आते है (अर्थात गैर-विचाराधीन उत्पाद) का भी भारत में विचाराधीन उत्पाद के एचएस कोड पर आयात किया जा रहा है। तदनुसार, आयात आंकड़ों का वर्गीकरण समुचित तुलना के लिए होना चाहिए। उपर्युक्त को देखते हुए यह प्रस्तुत किया जाता है कि यूएन कोड से समेकित स्तर पर कीमत के आंकड़ों पर विचार करने के परिणामस्वरूप समुचित तुलना नहीं हो पाएगी।
- ii. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए तरीके का विकल्प निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास होता है न कि निर्यातक के पास। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी का ध्यान निर्दिष्ट प्राधिकारी बनाम हालदार टोप्सो 2000 (120) ईएलटी 11 (एससी) मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय की ओर आकृष्ट किया है

जिसमें यह स्पष्ट किया गया कि सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए तरीके का चयन करने का विकल्प निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास होता है न कि निर्यातक के पास। उत्पादक द्वारा घरेलू बिक्रियों और तीसरी दुनियां को किए गए निर्यातों के संबंध में सूचना के अभाव में प्राधिकारी के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना संभव नहीं है और इसलिए इस प्रत्युत्तर का सीधे-सीधे नामंजूर कर दिया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि एमईटी दावे को दायर न करने से सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की क्रियापद्धित के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के अधिकारों में कमी नहीं होती है।

- iii. घरेलू उद्योग ने जांच की अविध के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है। उपर्युक्त के मद्देनजर, घरेलू उद्योग के लिए यह संभव नहीं है कि वह उसके साक्ष्य प्रदान करे। तथापि, प्राधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने निर्यात कीमत के समायोजन का दावा बाजार आसूचना के आधार पर प्रस्तुत किया है।
- iv. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा लगाया गया यह आरोप निराधार है कि घरेलू उद्योग द्वारा पाटनरोधी प्राधिकारियों को रिपोर्ट की गई उत्पादन मात्रा और तुलनपत्र में दर्शाई गई उत्पादन मात्रा में अंतर है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी का ध्यान इस तथ्य की ओर आकृष्ट किया है कि हितबद्ध पक्षकारों ने वर्ष 2012-13 की उत्पादन मात्रा की तुलना जांच की अविध (अर्थात जुलाई, 2012 जून, 2013 की अविध) के लिए उत्पादन की मात्रा से कर दी है। तदनुसार, उन्होंने उत्पादन मात्रा में अंतर का गलत निष्कर्ष निकाला है।
- v. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए इस तर्क में कोई दम नहीं है कि वर्ष 2012-13 में निवल लाभ में 100.84 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने अपने तुलनपत्र में इस तरह का कोई दावा नहीं किया गया है कि उसकी लाभप्रदता में वर्ष 2012-13 में 100.84 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ऐसा प्रतीत होता है कि हितबद्ध पक्षकारों ने इस तथ्य की अनदेखी का दी है कि वर्ष 2011-12 के लाभ में आंकड़ाबद्ध ग्लास प्रचालनों के कारण पर्याप्त क्षिति (जिसे अब बंद कर दिया गया है) हुई थी और इसके कारण ही यह गलत निष्कर्ष निकाला गया है कि वर्ष 2012-13 में लाभप्रदता में 100.84 प्रतिशत की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वर्ष 2011-12 की तुलना में वर्ष 2012-13 में 40 प्रतिशत की कमी आई है और इसका विस्तृत लागतकरण प्राधिकारी को पहले ही प्रस्तुत कर दिया गया है।
- vi. सामान्य मूल्य, अहानिकर कीमत की गणना करने के लिए जांच की अविध की विनिमय दर को अपनाया जाना एक मानक प्रक्रिया है जिसका पालन पाटन-रोधी प्राधिकारी करते हैं। उक्त प्रक्रिया का पालन सभी मामलों में प्राधिकारी द्वारा निरंतर किया जाता है।
- vii. भारतीय अर्थव्यवस्था में यू एस डॉलर की तुलना में रुपए के मूल्य में उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव देखा गया है। इसके अतिरिक्त संदर्भ कीमत आधारित इ्यूटी में विषयक सामान की कीमत और लागत में उतार-चढ़ाव को ध्यान में नहीं रखा जाता है। ऐसी स्थिति में संदर्भ कीमत पर आधारित इ्यूटी विषयक देश से पाटन किए गए आयातों के प्रति घरेलू उद्योग को पर्याप्त और प्रभावी सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थ रहेगी।
- viii. घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि नासिक संयंत्र बंद होने के कारण नासिक संयंत्र की सभी परिसंपित्तयां अंकलेश्वर संयंत्र को अंतरित कर दी गई हैं। तदनुसार, अंकलेश्वर संयंत्र की विद्यमान परिसंपित्तयों के संबंध में निरंतर पालन की जा रही अवमूल्यन क्रियाविधि डब्ल्यू डी बी से बदलकर एस एल एम कर दी गई है। अवमूल्यन की पद्धित में परिवर्तन के कारण जांच अविध के दौरान प्रभारित अवमूल्यन की राशि में कमी आई है।

ix. घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया है कि विषयक सामान के लिए आयात संबंधी आंकड़ों की छंटाई आंकड़ा संबंधी आंकड़ों में प्रत्येक लेनदेन में दिए गए विवरण के आधार पर की गई है। उक्त का विवरण आवेदन के अनुलग्नक-।। में उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया है कि आवेदन में दिया गया आयात संबंधी आंकड़ा अन्य मामलों में प्राधिकारी द्वारा लगातार पालन की जा रही पद्धति के अनुसार है।

x. शाउगयांग याओबांग इम्प. एंड एक्स. इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन पी आर (निर्यातक) ने संपर्क उत्पादक से संबंधित प्रश्नावली-प्रत्युउत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इसके अभाव में वह वैयक्तिक पाटन मार्जिन का हकदार नहीं है। प्रत्युत्तर केवल इसी आधार पर सरसरी तौर पर रद्द कर दिया जाए। इसके अतिरिक्त यह उल्लेख किया जाता है कि निर्यातक ने उस संपर्क विनिर्माता/उत्पादक के नाम का खुलासा नहीं किया है जिससे उसने उक्त को भारत में निर्यात करने के लिए जांच की अविध में विषय सामान की खरीद की थी। उपर्युक्त के आलोक में घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अन्य मामलों में प्राधिकारी द्वारा लगातार पालन की जा रही प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए निर्यातक द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तर को रद्द करने का अनुरोध किया है।

xi. शाउगयांग याओबांग इम्प. एंड एक्स. इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन पी आर (निर्यातक) ने पूर्णतया विरोधाभासी और भ्रामक सूचना दी है। खंड ख के प्रश्न सं. 2 में निर्यातक ने उल्लेख किया है कि वह घरेलू बिक्री में शामिल नहीं है। जबिक खंड ज, जो तीसरे देश को निर्यात से संबंधित सूचना से संबंधित है, के प्रत्युत्तर में निर्यातक ने उत्तर दिया है कि "लागू नहीं क्योंकि शाउगयांग याओबांग यह उल्लेख करता है कि उसका सामान्य मूल्य, घरेलू बाजार में बिक्री पर आधारित होना चाहिए"। यह भी नोट किया जाए कि निर्यातक प्रत्युत्तर के निर्धारित प्रपत्र अर्थात्निर्यातक की प्रश्नावली में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार सूचना प्रस्तुत करने के लिए बाध्य है। तदनुसार, घरेलू उद्योग में प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि वह निर्यातक को तीसरे देश की जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहे क्योंकि निर्यातक ने स्वयं इस तथ्य को स्वीकार किया है कि वह घरेलू बिक्री में शामिल नहीं है।

xii. शांगडांग गुआनग्याओ सुपर-थिन ग्लास कंपनी लिमिटेड, चीन पी आर (निर्यातक) के प्रत्युत्तर को इस आधार पर रद्द किया जा सकता है कि निर्यातक ने यह स्वीकार किया है कि उसने जांच की अविध के दौरान विषयक सामानों का उत्पादन नहीं किया और इसकी बहुत कम मात्रा जांच की अविध के दौरान भारत को निर्यात की गई थी। निर्यातक ने सार्वजनिक सुनवाई के दौरान यह दावा किया कि उन्होंने पूर्ववर्ती वर्ष की 200 मीट्रिक टन की माल सूची से भारत को विषयक सामानों का निर्यात किया था। तदनुसार, निर्यातक द्वारा किया गया निर्यात, यह मान लिए जाने के बावजूद कि पूर्ववर्ती वर्ष की सभी माल सूची अर्थात् केवल 200 मीट्रिक टन का निर्यात भारत को किया गया था, भारत को किए गए कुल निर्यात का मात्र 0.73 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग में यह उल्लेख किया गया है कि निर्यातक में संपूर्ण जांच की अविध के दौरान भारत को संबंधित उत्पाद की केवल एक खेप निर्यात की थी। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग में यह भी उल्लेख किया गया है कि निर्यातक ने सार्वजनिक सुनवाई के दौरान यह स्वीकार किया था कि उन्होंने पूर्ववर्ती वर्ष में केवल 3600 मीट्रिक टन का उत्पादन किया था। तथापि, निर्यातक ने अपनी वार्षिक क्षमता की कोई सूचना नहीं दी थी। यह भी उल्लेख किया जाता है कि 3600 मीट्रिक टन का उत्पादन स्तर या उसकी क्षमता होना पूर्णतः अव्यवहार्य है। इन परिस्थितियों में जहां तक जांच की अविध के दौरान अपने संचालन का संबंध है निर्यातक ने महज एक व्यापारी की भूमिका निभायी है। उत्पादन और लागत से संबंधित अपेक्षित आंकड़ों के अभाव में वे इस कारण से भी प्रारंभ से अलग व्यवहार किए जाने के पात्र नहीं हैं।

xiii. ऊपर उल्लिखित दोनों निर्यातकों ने अपने प्रत्युत्तर में यह उल्लेख किया है कि वे परिशिष्ट-।, परिशिष्ट-3ख, परिशिष्ट-3ग, परिशिष्ट-8ख और परिशिष्ट-8ग उपलब्ध नहीं करा रहे हैं क्योंकि वे अपने सामान्य मूल्य के रूप में कितत सामान्य मूल्य का दावा कर रहे हैं। निर्यातकों से यह कहा जाए कि वे यह स्पष्ट करे कि किस कानून के अंतर्गत उन्हें केवल अपने सामान्य मूल्य के तौर पर कितत सामान्य मूल्य का दावा करके उपर्युक्त परिशिष्टों को प्रस्तुत करने की विधिक बाध्यता से छूट मिल गई है। इसके अतिरिक्त यह भी उल्लेख किया जाता है कि निर्यातक को तब भी परिशिष्ट-। प्रस्तुत करना है यदि कंपनी ने घरेलू बाजार में सामान की बिक्री न भी की हो। इसके अतिरिक्त ऐसे मामलों में भारत के अलावा तीसरे देशों को किए गए निर्यात का ब्यौरा भी उपलब्ध कराया जाना होता है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी का ध्यान निर्यातक प्रश्नावली प्रपत्र में सामान्य प्रस्तावना खंड में निर्धारित दिशानिर्देशों की ओर आकृष्ट कराया है जिनमें यह स्पष्ट रूप से उल्लेख है किया है कि प्रश्नावली "भरने के प्रारूप" में नहीं है और इसमें सभी प्रश्नों का उत्तर दिया जाना अपेक्षित है। यदि सूचना अपूर्ण या निर्धारित प्रपत्र के अनुसार नहीं पाई जाती है तो अभिहित प्राधिकारी उक्त को रद्द कर सकते हैं। अतः निर्यातक को पूर्णतया प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सूचना प्रस्तुत करनी है।

xiv. डांगगुआंग सी एस जी आर्किटेक्चरल ग्लास कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) का प्रत्युत्तर केवल इस आधार पर रद्द होने के लायक है कि निर्यातक ने सार्वजनिक के दौरान यह स्वीकार किया था कि उसने विचाराधीन उत्पाद अर्थात् शीट ग्लास का निर्यात नहीं किया था। उन्होंने यह भी स्वीकार किया था कि उनके द्वारा निर्यात किया गया उत्पाद अर्थात् फ्लोट ग्लास विचाराधीन उत्पाद के समान नहीं है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने भी यह उल्लेख किया है कि यह तथ्य कि उनके द्वारा निर्यातित उत्पाद न तो संबंधित उत्पाद है और न ही उसके जैसा है, निर्यातक द्वारा प्रस्तुत लिखित प्रत्युत्तर से एकदम स्पष्ट है। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि निर्यातक ने सत्य, पूर्ण और सही सूचना के बारे में प्रमाणपत्र अर्थात् परिशिष्ट-क भी संलग्न नहीं किया है। यह एक अनिवार्य सूचना है जो कि निर्यातक द्वारा दी गई सूचना पर विश्वास करने के लिए अपेक्षित है।

xv. घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि आर एस बावा एंड संस और सिम्प्लैक्स ग्लास वर्क द्वारा प्रस्तुत लिखित प्रत्युत्तर को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने निर्धारित अविध के भीतर आयातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया था। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने यह भी प्रस्तुत किया है कि ऊपर उल्लिखित हितबद्ध पक्षकारों में सार्वजनिक सुनवाई के दौरान यह स्वीकार किया था कि उन्होंने निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 31. हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों, जो प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए, की नीचे जांच की गई है। सामान्य मूल और निर्यात कीमत से संबंधित प्रत्युत्तरों पर अनुलग्नक-।। में सम्चित रूप से विचार किया गया है:
 - ं. जहां तक सामान्य मूल आदि की गणना के लिए विनिमय दर का इस्तेमाल किए जाने के बारे में कुछ हितबद्ध पक्षकारों के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दौरान विनिमय दर पर विचार किया है और प्राधिकारी द्वारा निरंतर पालन की जा रही पद्धति के अनुसार उक्त का निर्धारण किया है।
 - हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि इ्यूटी, यदि कोई हो, संदर्भ कीमत पर आधारित होनी चाहिए। इस संदर्भ में प्राधिकारी का यह मानना है कि विषयक सामानों के व्यापार की प्रकृति, कीमत

और लागत में उतार-चढ़ाव विचार करते हुए नियत पाटन-रोधी ड्यूटी उचित है और इसकी सिफारिश की जाती है।

- हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से अवमूल्यन के तरीके में बदलाव से पड़ने वाले प्रभाव की जांच करने का अनुरोध किया है। इस संदर्भ में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के सत्यापन दौरे के दौरान इस मुद्दे की जांच की गई थी और क्षिति के विश्लेषण प्राधिकारी द्वारा इसका समुचित ध्यान रखा गया।
- iv. जहां तक आर एस बावा एंड संस और सिम्प्लैक्स ग्लास वर्क द्वारा प्रस्तुत लिखित प्रत्युत्तरों को रद्द करने के बारे में घरेलू उद्योग के दावे का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स सिम्प्लैक्स ग्लास वर्क में निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोई भी प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया था और अत: कानून के उपबंधों एवं प्राधिकारी द्वारा निरंतर पालन किए जा रही पद्धति के अनुसार एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में उक्त पर विचार नहीं किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने उक्त को प्रस्तुत न करने के बारे में कोई पर्याप्त कारण भी नहीं दिए हैं।
- v. जहां तक तुलन पत्र और आवेदन में तथाकथित रूप से विरोधाभास होने का संबंध है, प्राधिकारी घरेलू उद्योग का यह स्पष्टीकरण नोट करते हैं कि वर्ष 2011-12 के लाभ में फिगर्ड ग्लास संचालन (जो अब चालू नहीं है) के कारण होने वाली उल्लेखनीय क्षिति शामिल है। प्राधिकारी ने नियमानुसार और अपनी नियमित पद्धित के अनुसार, मौके पर घरेलू सत्यापन के माध्यम से जांच की अविध के दौरान हुई क्षिति के ब्यौरे का सत्यापन किया है और तथा रिकॉर्डों के आधार पर क्षिति संबंधी सभी पैरामीटरों का मूल्यांकन किया है।

पाटन और पाटन मार्जिन की क्रियाविधि और निर्धारण

च. सामान्य मूल्य

- 32. धारा 9 क (1) (ग) के अंतर्गत वस्तु से संबंधित सामान्य मूल्य का अर्थ है:
- (i) समान वस्तु, जो निर्यातक देश या भू-भाग में खपत के लिए हो, के संबंध में व्यापार के सामान्य संचालन में उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित तुलनीय कीमत, या
- (ii) जब कभी निर्यातक देश या भू-भाग के घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य संचालन में समान वस्तु की बिक्री नहीं होती है या जब निर्यातक देश या भू-भाग के घरेलू बाजार में बाजार की विशेष स्थिति या बिक्री की कम मात्रा होने के कारण, इन बिक्रियों से उचित तुलना नहीं हो पाती है तब सामान्य मूल्य होगा
 - (क) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित समान वस्तु की वह तुलनीय प्रतिनिधि कीमत जब वह निर्यातक देश या भू-भाग या किसी उचित तीसरे देश से निर्यात की जाती; या
 - (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के तर्कसंगत जोड़ के साथ मूल देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत:
- 33. प्राधिकारी ने विषयक देशों के ज्ञात निर्यातकों को निर्धारित प्रारूप और तरीके से सूचना मुहैया कराने की सलाह के साथ प्रश्नाविलयां भेजीं। निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए गए हैं:-

- i. शांडांग गुआंगयाओ सुपर-थिन ग्लास कंपनी, लिमिटेड, चीन पी आर
- ii. साउंगयांग याओबांग इम्प. एंड एक्स. इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन पी आर
- ііі. डांगगुआन सी एस जी आर्किटेक्चरल ग्लास कंपनी लिमिटेड, चीन पी आर
- iv. गुआंजी फुंगरिक इम्प. एंड एक्सपोटर कंपनी लिमिटेड ने अंतिम तारीख के बाद प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया।

34. जहां तक साउंगयांग याओबांग इम्प. एंड एक्स. इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन पी आर के द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तर का संबंध है प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उक्त निर्यातक ने उस संपर्क विनिर्माता/विनिर्माताओं के प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं जिनसे उसने जांच की अविध के दौरान विषयक सामान की खरीद की थी और भारत को निर्यात किया था। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उक्त निर्यातक संपर्क उत्पादक से संबंधित सूचना देने में असफल रहा है, प्राधिकारी का यह सुविचारित मत है कि निर्यातक वैयक्तिक सामान्य मूल्य का हकदार नहीं है और तदनुसार कानून के उपबंधों तथा प्राधिकारी द्वारा निरंतर पालन किए जा रही पद्धित के अनुसार वैयक्तिक पाटन मार्जिन निर्धारित किया जाता है। तदनुसार प्राधिकारी ने गैर बाजारीकृत अर्थव्यवस्था के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए सतत क्रियाविधि का पालन किया है।

35. जहां तक डांगगुआन सी एस जी आर्किटेक्चरल ग्लास कंपनी लिमिटेड, चीन पी आर द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तर का संबंध है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उक्त निर्यातक ने सार्वजनिक सुनवाई के दौरान तथा तत्पश्चात प्रस्तुत लिखित प्रत्युत्तरों में यह उल्लेख किया है कि उन्होंने विचाराधीन उत्पाद अर्थात् शीट ग्लास का निर्यात नहीं किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि अंतिम प्रयोक्ता, जिसने उक्त सामान का आयात किया है, फ्लोट ग्लास का भी एक प्रयोक्ता है। निर्यातक ने यह उल्लेख किया गया है कि उनके द्वारा भूलवश निर्यात दस्तावेजों पर आई टी सी एच एस का उल्लेख हो गया है और यह कि सामान शीट ग्लास नहीं है। तदनुसार प्राधिकारी ने निर्यातक के इस तथ्य को स्वीकार कर लिया है कि निर्यातित सामान शीट ग्लास नहीं है और यह माना है कि उक्त निर्यातक ने संबंधित उत्पाद का निर्यात नहीं किया और तदनुसार उत्पादक को कानून के उपबंधों के अनुसार एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में नहीं समझा गया है।

36. जहां तक गुआंजी फुंगरिक इम्प. एंड एक्सपोटर कंपनी लिमिटेड द्वारा उनके प्रत्युत्तर को स्वीकार किए जाने के अनुरोध का संबंध है प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उक्त प्रत्युत्तर प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समयसीमा के काफी बाद प्राप्त हुआ था। उक्त निर्यातक ने यह दावा किया है कि उन्हें अभिहित प्राधिकारी से कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ था और उन्हें जांच आरंभ होने की जानकारी अपने भारतीय खरीददारों के माध्यम से मिली थी। अतः उन्हें अपना प्रत्युत्तर देने में देरी हुई। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उक्त निर्यातक द्वारा विलंब से प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने के दिए गए आधारों को स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि नियम 6 में यथा निर्धारित जांच संबंधी नोटिस सभी निर्यातकों को भेजा गया था। इसके साथ-साथ आवेदन के गैर गोपनीय पाठ सहित जांच संबंधी अधिसूचना की एक प्रति नियमों के अंतर्गत यथा अपेक्षित चीन पी आर के दूतावास को भी भेजी गई थी। यह कानून या परंपरा में परिकल्पित नहीं है कि प्रत्येक हितबद्ध पक्षकार को व्यक्तिगत रूप से कार्यवाहियों के बारे में अधिसूचित किया जाए। यह तथ्य कि यह ज्ञात निर्यातकों के साथ-साथ चीन पी आर के दूतावास को भी सूचना भेजी गई थी कानून की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। इसके आलोक में उक्त निर्यातक द्वारा समय-सीमा के बाद प्रस्तुत किया गया प्रत्युत्तर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उक्त निर्यातक ने उस संपर्क उत्पादक का प्रत्युत्तर भी प्रस्तुत नहीं किया है जिससे उसने जांच की अविध के दौरान विषयक ने उस संपर्क उत्पादक का प्रत्युत्तर भी प्रस्तुत नहीं किया है जिससे उसने जांच की अविध के दौरान विषयक

सामान की खरीद की थी और भारत को निर्यात किया था। उपर्युक्त के आलोक में निर्यातक कोई वैयक्तिक सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत का हकदार नहीं है और तदनुसार कानून के उपबंधों के अनुसार पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जाता है।

37. घरेलू उद्योग द्वारा यह उल्लेख किया गया है कि चीन को पूरे विश्व भर के विभिन्न प्राधिकरयों द्वारा एक गैर बाजारीकृत अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है और हाल के मामलों में भी भारत में भी चीन को एक गैर बाजारीकृत अर्थव्यवस्था वाला देश समझा गया है। अतः चीन के लिए सामान्य मूल्य को पाटनरोधी नियमों के अनुलग्नक-। के पैरा 7 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित किया जाना अपेक्षित है। सुलभ संदर्भ के लिए पैरा 7 के उपबंध का नीचे उल्लेख किया गया है।

"7 गैर बाजारीकृत अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत या कलित मूल्य या भारत सिहत 30 अन्य देशों को किसी तीसरे देश का मूल्य और जहां कहीं कोई अन्य तर्कसंगत आधार पर यह संभव न हो सामान उत्पाद के लिए एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में वास्तविक रूप से किया गया भुगतान या देय कीमत, यदि आवश्यक हो तो विधिवत रूप से समायोजित करते हुए, के आधार पर किया जाएगा। तीसरे देश की उचित बाजार अर्थव्यवस्था का चयन अभिहित प्राधिकारी द्वारा संबंधित देश में विकास का स्तर तथा संदर्भाधीन उत्पाद तथा चयन के समय उपलब्ध कोई अन्य विश्वसनीय सूचना को ध्यान में रखकर किया जाएगा। तीसरे देश की कोई अन्य बाजार अर्थव्यवस्था के मामले में इसी प्रकार के समान मामले की जांच में जहां उचित हो समय-सीमा का भी ध्यान रखा जाएगा। जांच के पक्षकारों को बिना किसी अपरिहार्य विलंब के तीसरे देश के बाजार अवस्था के उपर्युक्त चयन के बारे में सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियों देने के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा।"

38. चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में घरेलू बिक्री कीमत या तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में किलत मूल्य या किसी ऐसे तीसरे देश से भारत सिहत किसी अन्य देश को निर्यात कीमत के आधार पर किया जाएगा। तथापि, यदि उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है तब अभिहित प्राधिकारी सामान्य उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से भुगतान या देय कीमत, जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत रूप से समायोजन किया गया हो, सिहत किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं। 39. तीसरे देश के किसी बाजार अर्थव्यवस्था में विषयक सामान की कोई कीमत या लागत ब्यौरा अनुपलब्ध होने तथा यह नोट किए जाने पर कि किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने पाटनरोधी नियमों के अनुलग्नक-। के पैरा 8 (3) के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार का दावा नहीं किया है तब अभिहित प्राधिकारी के पास कोई विकल्प नहीं बचेगा सिवाय इसके कि वह सामान्य उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से भुगतान या देय कीमत, जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत रूप से समायोजन किया गया हो, के आधार पर अनुमानित सामान्य मूल्य का निर्धारण करे।

40. घरेलू उद्योग, उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना तथा प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य सूचना के आधार पर चीन पी आर के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए विषयक सामान के सामान्य मूल की गणना *** यू एस डी प्रति मीट्रिक टन के रूप में की गई है।

चीन के उत्पादकों एवं निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

क. मैसर्स शांगडांग गुआनगांव सुपर-थिन ग्लास कंपनी लिमिटेड

41. मैसर्स शांगडांग गुआनगांव सुपर-थिन ग्लास कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद "उत्पादक सह निर्यातक" कहा गया है) चीन के कंपनी कानून के अनुसार स्थापित एक सीमित देयता वाली कंपनी है। यह नोट किया गया है कि उक्त निर्यातक विचाराधीन उत्पाद का उत्पादक एवं निर्यातक, दोनों है। तथापि, उक्त कंपनी ने जांच की अविध के दौरान विचाराधीन उत्पाद का विर्निर्माण नहीं किया है और तदनुसार किसी वैयक्तिक सामान्य मूल्य का दावा नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, यह नोट किया गया है कि निर्यातक ने जांच की अविध के दौरान *** मीट्रिक टन की केवल एक खेप का निर्यात किया जो अलग पाटन या क्षिति मार्जिन को निर्धारित करने के लिए पर्याप्त और अनुरूप नहीं है। अतः प्राधिकारी ने इस निर्यातक के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं किया है।

ख. चीन के सभी निर्यातक

42. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ तथ्यों के आधार पर मैसर्स सांगडांग गुआनगाओ सुपर-थिन ग्लास कंपनी लिमिटेड सिहत चीन के सभी उत्पादकों और निर्यातकों की कीमत का निर्धारण किया है। गणना की गई निवल कीमत ***यू एस डी प्रति मीट्रिक टन है।

पाटन मार्जिन

43. विषयक सामान के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, सहायक एवं अन्य निर्यातकों के लिए विषयक सामान के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

	•
विवरण	चीन (डालर/एम टी)
सामान्य मूल्य	***
एक्स फैक्ट्री कीमत	***
पाटन मार्जिन	***
पाटन मार्जिन (%)	***
पाटन मार्जिन (रेंज)	65-75

चीन से सभी उत्पादक और निर्यातक

यह देखा जा सकता है कि विषयक सामान के लिए पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक और उल्लेखनीय है।

ज. क्षति-निर्धारण

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत बातें

- 44. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति के बारे में निम्नलिखित बातें प्रस्तुत की गई हैं:
 - i. आवेदक घरेलू उत्पादक क्षमता उपयोग की एक अत्यधिक उच्च दर का लाभ उठा रहा है और वर्ष 2010-11 में 99.4 प्रतिशत की दर से अपनी क्षमता का उपयोग करने में समर्थ रहा जिसमें वर्ष 2011-12 में 97 प्रतिशत और 2012-13 एवं जांच की अवधि में 93-94 प्रतिशत की केवल मामूली कमी आई।
 - ii. आवेदन घरेलू उत्पादक प्रतिवर्ष उत्पादन किए गए सामानों का 98-99 प्रतिशत बेचने में सफल रहा। इस कारण से आवेदक घरेलू उत्पादक के पास माल सूची तर्कसंगत रूप से याचिका में बढ़ा-चढ़ाकर दिए गए माल सूची संबंधी आंकड़ों की तुलना में बेहद कम होनी चाहिए। शीट ग्लास की प्रत्येक मोटाई के लिए लागत के साथ-साथ पाटन और क्षति मार्जिन की गणना अवश्य की जानी चाहिए।

- iii. आवेदक घरेलू उत्पादक का यह आरोप है कि चीन पी आर से विषयक सामानों का आयात काफी अधिक रहा है और यह आवेदक घरेलू उत्पादक के कार्यकरण को प्रभावित कर रहा है। तथापि, यह नोट करने योग्य है कि औसत आधार पर आवेदक घरेलू उत्पादक कुल मांग का केवल 45-55 प्रतिशत पूरा करने में सक्षम है। यदि आवेदक घरेलू उत्पादक की क्षमता उपयोग की प्रतिशतता 99 भी रहती है तो वह अधिक से अधिक कुल मांग का लगभग 64 प्रतिशत ही पूरा कर सकता है।
- iv. क्षिति की अविध के साथ-साथ जांच की अविध के दौरान विषयक सामानों के पुलाई मूल्यों में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2010-11 में 13719 रु. से बढ़कर वर्ष 2011-12 में 14075 रुपये तथा वर्ष 2012-13 में 15259 रु. प्रति मीट्रिक टन हो गया है। जांच की अविध के दौरान पुलाई मूल्य और अधिक बढ़कर 15465 रुपये प्रति मीट्रिक टन हो गया।

घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत तथ्य

- 45. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति के संबंध में निम्नलिखित तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं।
 - i. उचित तुलना सुनिश्चित करने तथा इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि विचाराधीन उत्पाद की विभिन्न मोटाई की लागत और कीमत में अंतर बेहद कम है, लागत संबंधी आंकड़े प्रतिटन आधार पर उपलब्ध कराए गए हैं।
 - घरेलू उद्योग विषयक वस्तु के संबंध में अधिक क्षमता का आरंभ करने जा रहा है जो वर्ष के अंत में क्रियाशील हो जाएगी। इससे घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता बढ़कर प्रतिवर्ष लगभग 25000 मीट्रिक टन हो जाएगी। तथापि, विषयक देशों से हानिकर कीमतों पर पाटन आयातों की भारी मात्रा के कारण यह संभव प्रतीत नहीं होता है कि घरेलू उद्योग भविष्य में भी क्षमता उपयोग का वर्तमान स्तर बनाए रखने में सक्षम रहेगा यदि विषयक देश से कम मूल्य के पाटन आयातों का आयात होता रहे।
 - iii. जांच की अविध के दौरान देश में उत्पाद की मांग में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। तथापि पाटन आयातों के कारण घरेलू उद्योग की हिस्सेदारी में कमी आई है।
 - iv. भारत में उत्पादन और खपत के साथ वास्तविक रूप से विषयक देशों से आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की हिस्सेदारी में तेजी से कमी आई है।
 - v. विषयक देश से औसत आयात कीमत उल्लेखनीय रूप से घरेलू उद्योग की निवल बिक्री से कम है जिसके परिणामस्वरूप कीमत में उल्लेखनीय कमी आई।
 - vi. बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन की लागत में वृद्धि से नीचे रही जिसके परिणामस्वरूप मूल्य को कम करना पड़ा।
- vii. विषयक देश से विषयक सामानों के पाटन के कारण घरेलू उद्योगों को वास्तविक क्षति हुई। इसके अतिरिक्त यदि यही स्थिति बनी रहती है तब घरेलू उद्योग को लगातार क्षति होने का खतरा बना रहेगा।
- viii. विषयक देश से पाटन के प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदायिकता में तेजी से और वास्तविक रूप से कमी आई है और यह जांच की अवधि के दौरान नगण्य रहा है।
- ix. घरेल उद्योग की बाजार में हिस्सेदारी में बेहद कमी आई जबकि विषयक देशों से आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

- x. घरेलू उद्योग की उत्पादकता लगभग उसी स्तर पर बनी रही जो वह क्षति की अविध के दौरान थी।
- xi. निवेशों पर लाभ में तेजी से कमी आई है। आर ओ आई का वर्तमान स्तर उस वांछनीय और वैध स्तरों से काफी कम है जिसे भारी निवेश पर विचार करते हुए, पाटन आयातों के अभाव में घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त कर लिया जाना चाहिए था।
- xii. जांच की अविध के दौरान माल सूची में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- xiii. बिक्री, बाजार में हिस्सेदारी, प्रति मीट्रिक टन लाभ, पी बी आई टी, आर ओ आई आदि के आधार पर घरेलू उद्योग के समग्र विकास पैरामीटर ऋणात्मक रहे।
- xiv. विषयक देश से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम स्तर से अधिक है बल्कि यह उल्लेखनीय भी है।
- xv. घरेलू उद्योग को विषयक देशों से विषयक सामानों के पाटन आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- xvi. अत्यधिक न्यून कीमत पर आयात की मौजूदगी घरेलू उद्योग को अपनी इनपुट लागत में वृद्धि के अनुरूप कीमतों में वृद्धि करने से वंचित करती है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों का निग्रहण हो रहा है।
- xvii. लाभ में कमी के परिणामस्वरूप नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ और नकद लाभ में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग पूंजीगत लागत को कवर करने में सक्षम नहीं हो पाया है। अतः लाभ में गिरावट, नियोजित पूंजी प्रतिलाभ, नकद प्रवाह और नकद लाभ में गिरावट प्रत्यक्षतः पाटित आयातों के कारण आई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 46. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 और डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव, और (ख) इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की उद्देश्यपरक जांच करने का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों की मात्रा में भारत में उत्पादन और खपत के समग्र या संगत रूप में भरी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों की मात्रा में भारत में समान उत्पादन की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों का भारी मात्रा में अवमंदन करना या कीमतों में वृद्धि करने से रोकना है, जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुआ होता।
- 47. पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के पैरा IV का अनुबंध-II में निम्नलिखित उल्लेख है।

संबंधित घरेलू ''उद्योग पर आयात की गई वस्तुओं के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक तथ्यों का मूल्यांकन तथा जिसमें बिक्रीदक उत्पा, मार्किट शेयर, आउटपुट, लाभ, को प्रभावित करने वाले घरेलू मूल्यों, निवेश, पर लाभ अथवा क्षमता निर्माण, का शेयर विक रूप से आयात की वास्त, तथ्यगई वस्तुओं के मार्जिन तथा रोकड़, इनवेंटरी, पूंजी उगाहने जैसे घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वेतन वृद्धि तथा निवेश पर, रोजगार ''कन शामिल होता है। वाले सूचकांक का मूल्यां

- 48. प्राधिकारी द्वारा अधोलिखित किए गए क्षित विश्लेषण से हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरणों का वस्तुतः समाधान हो जाता है। तथापि, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विशिष्ट प्रस्तुतिकरणों का प्राधिकारी द्वारा निम्नवत समाधान किया जाता है:
 - (i) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि चीन से बढ़ते आयात भारतीय शीट ग्लास उद्योग की अपर्यापत आपूर्ति क्षमता और भारत में उच्च मांग के बीच बढ़ते अंतराल के कारण हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की पर्याप्त क्षमता में कमी पाटित आयातों को न्यायोचित नहीं ठहराती है। इसके अतिरिक्त, पाटनरोधी उपायों का इरादा आयातों को निवारित करना नहीं होता है बल्कि घरेलू उद्योग तथा पाटित आयात दोनों के लिए समान अवसर सृजित करना होता है।
 - (ii) हितबद्ध पक्षकारों के अन्य तर्कों के संबंध में प्राधिकारी ने उनका निम्नलिखित पैराग्राफों में उपयुक्त रूप से समाधान कर दिया है।

ज. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

(क) मांग एवं बाजार हिस्सा

49. भारत में इस उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत का आकलन भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयातों के जोड़ के रूप में की गई है। इस तरह आकलित मांग को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

(i) मांग

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि (जुलाई 2012 से जून, 2013
मांग	MT	38,732	47,420	53,185	52,284
प्रवृति	अनुक्रमित	100	122	137	135
संबद्घ देश से आयात	एमटी	11,994	20,779	27,078	27,026
अन्य देश से आयात	एमटी	272	887	1296	859
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	26,466	25,754	24,811	24,398
प्रवृति	अनुक्रमित	100	97	94	92

50. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अविध में मांग में वृद्धि होने के बावजूद पूर्ववर्ती वर्ष और आधार वर्ष की तुलना में जांच की अविध में गिरावट आई है।

(ii) मांग में बाजार हिस्सा

51. भारत में मांग में संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से की जांच भारतीय उत्पादक की बिक्री और विभिन्न स्रोतों से आयातों पर विचार करते हुए की गई थी। यह स्थिति निम्नवत है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
मांग	एमटी	38,732	47,420	53,185	52,284

मांग में हिस्सा						
संबद्ध देश से आयात	%	30.97	43.82	50.91	51.69	
अन्य देश से आयात	%	0.70	1.87	2.44	1.64	
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	68.33	54.31	46.65	46.67	

52. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि देश में इस उत्पाद की मांग में संपूर्ण क्षिति अविध के दौरान तथा जांच की अविध के दौरान भारी वृद्धि हुई है। यद्यपि संबद्ध देश के आयातों का हिस्सा जो आधार वर्ष में बढ़कर 51.69 हो गया। घरेलू उद्योग का हिस्सा जो आधार वर्ष में 68.33 प्रतिशत था। जांच की अविध में घटकर 46.67 प्रतिशत रह गया। अतः, संबद्ध देश से आयातों में भारी वृद्धि हुई जबिक उसी अविध के दौरान घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई।

ख. आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

53. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा की जांच डीजीसीआईएंडएस के प्राप्त आयात आंकड़ों के आधार पर की है। संबद्ध देश से आयात की मात्रा न्यूनतम स्तर से अधिक पाई गई जैसाकि अधोलिखित तालिका से देखा जा सकता है:

वि	वरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
	संबद्घ देश	एमटी	11,994	20,779	27,078	27,026
मात्रा	अन्य देश	एमटी	272	887	1296	859
	कुल आयात	एमटी	12,266	21,666	28,374	27,885
आयातों में	संबद्घ देश	%	97.8%	95.91%	95.43%	96.92%
बाजार हिस्सा	अन्य देश	%	2.22%	4.09%	4.57%	3.08%

54. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि संबद्ध देश से आयात जो आधार वर्ष में 11994 एमटी थे, बढ़कर जांच की अविध के दौरान 27026 एमटी हो गए। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयात, जांच की अविध के दौरान भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल आयातों का 96.92 प्रतिशत है।

ग) उत्पादन के संबंध में आयातों का हिस्सा

55. प्राधिकारी यह प्रेक्षित करते हैं कि संबद्ध देश से आयातों में घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है, जैसाकि अधोलिखित तालिका से स्पष्ट है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
संबद्ध देश से आयात	एमटी	11,994	20,779	27,078	27,026
घरेलू उद्योग का उत्पादन	एमटी	26,486	25,784	25,142	24,788
घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में पाटित आयात	%	45.3%	80.6%	107.7%	109.0%

56. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि कुल घरेलू उत्पादन में संबद्ध देश से पाटित आयातों का हिस्सा आधार वर्ष में 45.3 प्रतिशत से बढ़कर जांच की अविध के दौरान 109 प्रतिशत रह गया।

घ) क्षमता एवं क्षमता उपयोग

57. घरेलू उद्योग की क्षमता एवं क्षमता उपयोग के संबंध में विस्तृत विवरण अधीलिखित तालिका में दिया गया है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
क्षमता एमटी	एमटी	26,645	26,645	26,645	26,645
क्षमता उपयोग	%	99.40	96.77	94.36	93.03

58. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच की अविध के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि क्षमता उपयोग में यह गिरावट उक्त अविध में पाटित आयातों की वृद्धि के प्रत्यक्ष प्रभाव से आई है। मांग में वृद्धि होने पर क्षमता उपयोग में गिरावट पाटित आयातों द्वारा मांग में हुई वृद्धि को अवशोषित कर लिए जाने के कारण घरेलू उद्योग पर विपरीत प्रभाव को प्रदर्शित करती है।

ड. उत्पादन

59. घरेलू उद्योग के उत्पादन आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवघि
उत्पादन	एमटी	26,486	25,784	25,142	24,788
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	97	95	94
मांग	एमटी	38,732	47,420	53,185	52,284
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	122	137	135

60. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में आधार वर्ष तथा विगत वर्ष की तुलना में जांच की अविध के दौरान गिरावट आई है जबिक उसी अविध में मांग में भारी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि मांग में तीव्र वृद्धि होने के बावजूद, पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग को उत्पादन में वृद्धि करने से वंचित रखा था।

च. बिक्री मात्रा

61. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा अधोलिखित तालिका में दी गई है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
घरेलू बिक्री	एमटी	26,466	25,754	24,811	24,398
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	97	94	92
मांग	एमटी	38,732	47,420	53,185	52,284
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	122	137	135
मांग में घरेलू उद्योग		68.33	54.31	46.65	46.67
का बाजार हिस्सा	%				

62. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच की अविध के दौरान गिरावट आई है जबिक उक्त अविध के दौरान इस उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि हुई थी। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी का कारण संबद्ध देश से कम मूल्य के भारी मात्रा में पाटित आयात हैं। इसके परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग ने भारी बाजार हिस्सा खो दिया।

छ. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

63. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया जा रहा है अथवा इन आयातों का प्रभाव कीमतों में वृद्धि को रोकना या कीमतों का भारी मात्रा में अपमंदन करना है जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुआ होता। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की औसत उत्पादन लागत, औसतन निवल बिक्री प्रापण तथा गैर-क्षतिकारी कीमत की तुलना संबद्ध देश से आयातों की उतराई कीमत से की गई है।

(i) कीमत अधोरदन

64. निवल बिक्री प्रापण का परिकलन फैक्टरी उपरांत होने वाले व्ययों अर्थात् बाह्य मालभाड़ा तथा करों को घटाकर किया गया है। आयातों के उतराई मूल्य का परिकलन 1 प्रतिशत प्रहस्तन प्रभार तथा संबद्ध आयातों के सीआईएफ मूल्य पर अनुप्रयोज्य उपकर को शामिल करते हुए लागू आधारभूत सीमा-शुल्क को जोड़कर किया गया है। आयातों के उतराई मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण से की गई और यह पाया गया कि पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का अधीरदन कर रहे हैं जैसािक निम्नलिखित तािलका से देखा जा सकता है।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
आयातों की उतराई कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
निवल बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रेंज	10-20	10-20	20-30	10-20

65. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि आयातों में जांच की अवधि के साथ-साथ संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों का भारी कीमत अधोरदन किया है।

(ii) कीमत अधोविक्रयण

66. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कीमत अधोविक्रयण क्षति आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। गैर-क्षितिकारी कीमत का निर्धारण किया गया और उसकी तुलना संबद्ध वस्तु के उतराई मूल्य से की गई जिससे कीमत अधोविक्रयण की सीमा का निर्धारण किया जा सके। गैर-क्षितिकारी कीमत का निर्धारण जांच की अविध के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पाद लागत पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार विचार करते हुए किया गया है। विश्लेषण यह दर्शाता है कि संबद्ध आयातों का उतराई मूल्य गैर-क्षितिकारी कीमत से कम था जैसािक अधोलिखित तािलका से देखा जा सकता है:

विवरण	चीन (रुपए/एमटी)	चीन (डालर/एमटी)
गैर-क्षतिकारी कीमत	***	***
आयातों की उतराई कीमत	***	***
कीमत अधोविक्रयण	***	***
कीमत अधोविक्रयण (%)	***	***
कीमत अधोविक्रयण (रेंज)	20-30	20-30

(iii) कीमत निग्रहण/अवमंदन

67. प्राधिकारी ने यह जांच की कि क्या पाटित आयातों का प्रभाव भारत में समान वस्तु की कीमतों का अवमंदन करना अथवा उस कीमत वृद्धि को रोकना था जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुई होती।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
उत्पादन लागत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
 अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	109	122	124
बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	102	111	114
उतराई मूल्य	रुपए/एमटी	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	101	103	113

68. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि उत्पादन लागत जो आधार वर्ष में 100 की जांच की अविध में बढ़कर 124 हो गई। उसी अविध में बिक्री कीमत 100 से बढ़कर केवल 114 हुई, इससे यह सिद्ध होता है कि कीमतों का यह निग्रहण पाटित आयातों के कारण किया गया क्योंकि घरेलू उद्योग अपनी लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम नहीं था। हालांकि उतराई कीमत में वर्षों से वृद्धि हुई है, तथापि वे जांच की अविध एवं क्षिति अविध के दौरान घरेलू उद्योग के बिक्री प्रापण की तुलना में कम थीं। इस प्रकार आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रहण कर रहे थे।

झ. घरेलू उद्योग के आर्थिक पैरामीटर

(i) लाभ/हानि

69. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता अधोलिखित तालिका में दर्शाई गई है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
लाभ	रुपए/एमटी	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	49	21	30
नकद लाभ	रुपए/एमटी	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	61	40	47
लगाई गई पूंजी पर	%	***	***	***	***
प्रतिलाभ					
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	55	25	30

70. उपर्युक्त तालिका से यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में जांच की अविध सिहत क्षिति अविध के दौरान भारी गिरावट आई है। आधार वर्ष तथा विगत वर्ष की तुलना में जांच की अविध में नकद लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ में गिरावट आई है।

(ii) नकदी प्रवाह

71. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के नकदी प्रवाह की स्थिति पर पाटन के प्रभाव की जांच करने के लिए नकद लाभ की प्रवृत्ति की जांच की है। घरेलू उद्योग के नकद लाभ के संबंध में सूचना अधोलिखित तालिका में दी गई है:

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
नकद लाभ	रुपए/एमटी	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	61	40	47

72. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के नकद लाभ में क्षति अवधि के दौरान भारी कमी आई है।

(iii) मालसूची

73. घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति निम्नवत है।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
इति स्टॉक	एमटी	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	185	1123	1454

74. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की मालसूची में विगत वर्ष एवं आधार वर्ष की तुलना में जांच की अविध में भारी वृद्धि हुई है।

(iv) उत्पादकता

75. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता क्षति अवधि के दौरान समान स्तर पर बनी रही।

(v) रोजगार एवं वेतन

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	97	94	92

76. अधोलिखित तालिका से यह देखा जाता है कि रोजगार संपूर्ण क्षति अविध के दौरान लगभग समान स्तर पर बनी रही। तथापि, क्षति अविध के दौरान प्रति कर्मचारी समग्र वेतन में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है जो कर्मचारी के वेतन में वार्षिक वेतन वृद्धि के कारण हुई है।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
रोजगार	संख्या	268	270	270	272
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	101	101	101
वेतन/कर्मचारी	रुपए	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	113	139	139

(vi) पाटन की मात्रा

77. घरेलू उद्योग को पाटित आयातों द्वारा किस हद तक क्षति कारित की जा सकती है उसके संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा यह दर्शाती है कि संबद्घ देश के विरूद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक एवं महत्वपूर्ण है।

(vii) वृद्धि

78. प्राधिकारी अधोलिखित तालिका से यह नोट करते हैं कि उत्पादन, बिक्री, बाजार हिस्सा एवं उत्पादकता के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि ऋणात्मक है। घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि उन्हें पाटित आयातों में वृद्धि के कारण हुए भारी कीमत अधोरदन से मांग में वृद्धि से होने वाले लाभ प्राप्त करने से वंचित रखा गया।

विवरण	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
बिक्री (%)		-3	-6	-8
उत्पादन (%)		-3	-5	-6
बाजार हिस्सा (% मांग)		-21	-32	-32
लाभप्रदता प्रति यूनिट (%)		-51	-79	-70

(viii) पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता

79. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पाद में अतिरिक्त निवेश करने की योग्यता बाजार स्थिति पर निर्भर करती है। यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में क्षिति अविध के दौरान गिरावट आई है। अत:, उत्पाद के पाटन का घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता पर निश्चय की विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

ञ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण

- 80. घरेलू उद्योग के मोटाईवार उत्पादन एवं बिक्री आंकड़े प्रदान कराने के लिए विभिन्न अनुरोध प्राप्त हुए है जिससे यह सुनिश्चय हो सके कि क्या आवेदक 2 एमएम की मोटाई से कम और 920 एमएम x 1220 एमएम से अधिक के आकार के शीट ग्लास का उत्पादन कर रहा है या नहीं। तथापि इन अनुरोधों को न तो प्रकटन विवरण में नोट किया गया और न ही ऐसे आंकड़े उपलब्ध कराए गए।
- 81. प्राधिकारी ने केवल यह प्रस्तुतिकरण नोट किया है कि आवेदन 2 एमएम से कम की मोटाई और 920 एमएम X 1220 एमएम से अधिक के आकार के शीट ग्लास का विनिर्माण नहीं करता है। इसमें वह सभी प्रस्तुतिकरण शामिल नहीं हो जाते हैं जो विचाराधीन उत्पाद के दायरे की जांच के अनुक्रम में प्रतिवादियों द्वारा किए गए थे। संपूर्ण जांच के दौरान, प्रतिवादियों ने यह तर्क दिया कि 2 एमएम से कम की मोटाई, खासकर 1.8 एमएम से कम की मोटाई से कम मोटाई वाला शीट ग्लास 920 एमएम X 1220 एमएम से अधिक के आकार वाला शीट ग्लास (जिसकी प्रतिवादियों को अपेक्षा होती है) 2 एमएम और उससे अधिक की मोटाई तथा 920 एमएम X 1220 एमएम और उससे कम आकार वाले शीट ग्लास (जिसकी आवेदक आपूर्ति करने का इच्छुक है) तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं है।
- 82. आवेदक द्वारा विनिर्मित शीट ग्लास की गुणवत्ता उच्च कोटि की नहीं है ओर उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। इस प्रस्तुतिकरण को प्राधिकारी द्वारा अपने प्रकटन विवरण में रिकार्ड भी नहीं किया गया है।

- 83. आवेदक ने यह सिद्ध करने के लिए उसने 2 एमएम से कम की मोटाई वाले शीट ग्लास का उत्पादन किया है। उत्पादन कर सकता है, बिक्री बीजकों के कुछ नमूने भी प्रस्तुत किए हैं। यदि आवेदक ने बिक्री बीजकों के नमूने प्राधिकारी को प्रस्तुत किए हैं तो प्रतिवादी यह समझने से असमर्थ है कि वह इस जांच के सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध क्यों नहीं कराए गए।
- 84. प्रतिवादीगण यह समझ पाने में असमर्थ है कि प्राधिकारी ने एक ऐसे निर्यातक की निर्यात कीमत को स्वीकार करने से नामंजूर कैसे कर दिया जिसने जांच की अविध के दौरान केवल एक खेंप प्रेषित की है, परंतु उन्होंने अल्प मात्रा में उत्पादन को और बिक्री बीजकों को केवल नमूनों को आवेदक की उस योग्यता के रूप में सहर्ष स्वीकार कर लिया कि वह 2 एमएम से कम की मोटाई के शीट ग्लास का विनिर्माण कर सकता है।
- 85. आवेदक का यह तर्क, कि 2 एमएम से कम की मोटाई के और 920 एमएम X 1220 एमएम से अधिक के आकार के शीट ग्लास का उत्पादन करने की घरेलू उत्पादक की क्षमता एक संगत कारक है, पूर्णतया गलत एवं अस्वीकार्य है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के कुछ रूपांतरों का उत्पादन करने की घरेलू उद्योग की क्षमता पर कभी भरोसा नहीं किया है, उन्होंने इस प्रश्न का निर्धारण करते समय कि क्या कितिपय ग्रेडों/प्रकारों/रूपांतरों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अपवर्जित कर देना चाहिए, केवल विशिष्ट ग्रेड/टाइप/रूपांतर के वास्तविक उत्पादन पर ही हमेशा भरोसा किया है।
- 86. आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 4.1 के अनुसार "घरेलू उद्योग" की परिभाषा को संतुष्ट नहीं करता है क्योंकि आवेदक का उत्पादन कुल उत्पादन का एक "बड़ा भाग" इस तथ्य के कारण नहीं बनता है कि डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.6 के अनुसार फ्लोट ग्लास और शीट उत्पाद दोनों ही "समान उत्पाद" है। प्राधिकारी ने पैरा 21 में यह उल्लेख किया है कि शीट ग्लास एवं फ्लोट ग्लास "समान उत्पाद" नहीं हैं, जो बिना किसी समर्थनकारी कारण के कहा गया है। प्रतिवादी यह प्रस्तुत करते हैं कि डीजीएडी द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण किसी न किसी साक्ष्य द्वारा समर्थित होना अपेक्षित है और प्रतिवादी के तर्क को खारिज करते हुए केवल एक लाइन का अभिकथन कर देने मात्र से यह नहीं कहा जा सकता है कि इसके पक्ष में समुचित तर्क नहीं दिए गए हैं।
- 87. आवेदक ने विभिन्न सूचनाओं जैसे संबद्ध वस्तु का तकनीकी विनिर्देशन, उत्पादन प्रक्रिया, क्रय/विक्रय नीति, लागत निर्धारण के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- 88. आवेदक द्वारा दायर की गई याचिका डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.2 के मानकों को निम्नलिखित कारणों से पूरा नहीं करती है :
- (i) आवेदक ने अपने सामान्य मूल्य का निर्माण करने के लिए न तो किसी साक्ष्य का प्रकटन किया है और न ही उसका निर्धारण करने के लिए सही प्रक्रिया का अनुपालन किया है।
- (ii) प्राधिकारी को उस कीमत का प्रकटन करना अपेक्षित होता है जिसपर चीन जन.गण. के निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य विनिर्मित किया गया है।
- (iii) निर्यात कीमत के संबंध में आवेदक द्वारा किया गया समायोजन असामान्य रूप से अधिक है। इसके अतिरिक्त, निर्यात कीमत के अनुरूप समायोजन के समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं दिया है।
- (iv) आवेदक के आवेदन प्रपत्र में अपेक्षित जरूरतों को पूरा नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए, शीट ग्लास के तकनीकी विनिर्देशनों का या विचाराधीन उत्पाद के आकार, उसकी गुणवत्ता, श्रेणी और प्रयोगों के संबंध में किसी अन्य सूचना का कोई उल्लेख नहीं है।

- 89. प्रतिवादी ने एमएस एक्सेल प्रारूप में खेंपवार आयात आंकड़ों और यह स्पष्टीकरण की मांग की थी कि आवेदक ने संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में डीजीसीआईएंडएस के अपरिष्कृत आंकड़ों को किस तरह छांटा गया। तथापि, वह प्रतिवादी को उपलब्ध नहीं कराया गया। प्रतिवादी इसे प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को गंभीर भंग के रूप में माना है।
- 90. संबंधित निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य को व्यक्तिगत रूप से निर्मित किया जाना चाहिए। पैरा 34 में, प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि चूंकि मैसर्स शौंग्यांग याओबांग आयात एवं निर्यात कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. ने उससे जुड़े विनिर्माता का प्रत्युत्तर दायर नहीं किया था इसलिए वह व्यक्तिगत सामान्य मूल्य और समनुरूपी व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का हकदार नहीं है। इस संबंध में प्रतिवादी ने पहले ही स्पष्ट रूप से यह प्रस्तुत कर दिया था कि जांच की अविध के दौरान शौंगयांग याओबांग ने चीन के विभिन्न संबद्ध उत्पादकों द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। यह सभी उत्पादक शौंगुयांग याओबांग से असंबद्ध हैं और उन पर शौंगुआंग याओबांग का कोई नियंत्रण नहीं है। इसलिए शौंगआंग याओबांग के लिए इन उत्पादकों को प्राधिकारी के साथ सहयोग करने के लिए कहना मुश्किल है।
- 91. प्राधिकारी ने शानडांग की निर्यात कीमत को इस तथ्य के आधार पर अस्वीकार कर दिया कि शानडांग ने जांच की अविध के दौरान संबद्ध वस्तु की केवल एक खेंप का ही निर्यात किया है। केवल इस कारण से निर्यात कीमत को अस्वीकार कर देने का प्रावधान पाटनरोधी नियमावली या अधिनियम में कहीं भी नहीं किया गया है, तदद्वारा निर्यात कीमत की इस तरह अस्वीकृति गैर-न्यायोचित एवं अवैध है।
- 92. प्राधिकारी ने विचार किया है कि आवेदक के लाभ में वर्ष 2010-11 में 100 इंडेक्स बिन्दुओं से वर्ष 2011-12 में 49 इंडेक्स बिंदुओं की गिरावट आई और वर्ष 2012-13 में 21 इंडेक्स बिंदुओं की गिरावट हुई तथा जांच की अविध में 30 इंडेक्स बिंदुओं की गिरावट आई। तथापि, यह नोट किया जाना चाहिए कि यह आवेदक द्वारा वर्ष 2012-13 के अपने तुलनपत्र जो इस जांच में जांच की अविध के समनुरूप है में किए गए अभिकथन के बिल्कुल विपरीत हैं। आवेदक ने निम्नलिखित का उल्लेख किया है:

"31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी को 123.90 लाख रुपए का निवल लाभ हुआ जो विगत वर्ष की तुलना में 100.84 प्रतिशत की वृद्धि है।"

- 93. प्रतिवादी अजंता क्वार्टज़ के नाम से प्रसिद्ध ब्रैंड की दीवाल घड़ियों तथा "आरपेट" के ब्रांड नाम से अन्य उत्पादों का विनिर्माण एवं निर्यात करता है और वह विश्व का सबसे बड़ा घड़ी निर्माता है। प्रतिवादी भारत के निर्यात में तथा हजारों लोगों को रोजगार देने में भारी योगदान करता है। शीट ग्लास के एक ऐसे ग्रेड पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने, जिसका आवेदक द्वारा विनिर्माण भी नहीं किया जा रहा है, से भारत के आयातों तथा भारी संख्या में लोगों के रोजगार पर उसका प्रभाव पड़ेगा। यह स्पष्टतः एक जनहित की धारणा है जिसे पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश पर विचार करते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए।
- 94. हमारे द्वारा आयातित कस्टमाइज्ड ग्लास का आकार का विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है, जिसके लिए सीएनजी ग्लास कटिंग में भारी निवेश किया जाता है।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण

95. हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा निराधार और तथ्यात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण है कि घरेलू उद्योग की क्षमता 2 एमएम से कम की मोटाई, खासकर 1.8 एमएम की मोटाई और विभिन्न प्रकार के उच्चतर चौड़ाई का शीट ग्लास का उत्पादन करने की नहीं है। घरेलू उद्योग ने जोर देकर एक बार पुन: कहा है कि उसके पास 12 एम एम तक की संबद्घ वस्तु का उत्पादन करने की क्षमता है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी को अपने सत्यापन दौरे के दौरान विभिन्न मोटाई और आकार के विचाराधीन उत्पाद दिए गए हैं। विभिन्न मोटाई और आकार के शीट ग्लास के बिक्री बीजकों की नमूना प्रतियां भी इस संबंध में अपने दावे को साक्ष्यांकित करने के लिए प्राधिकारी को पहले ही प्रदान करा दी गई हैं। इन नमूना बिक्री बीजकों में 2 एमएम से कम ही मोटाई और उससे अधिक की मोटाई के बीजक भी शामिल हैं।

- 96. भारतीय अर्थव्यवस्था में यूएस डालर मूल्य की तुलना में रुपए के मूल्य में काफी उतार-चढ़ाव हुआ है। इसके अतिरिक्त, संदर्भ कीमत आधारित शुल्क में संबद्ध वस्तु की कीमत एवं लागत अस्थिरता पर ध्यान नहीं दिया जाता है। ऐसी हालात में, संदर्भ कीमत पर आधारित शुल्क संबद्ध देश से पाटित आयातों पर घरेलू उद्योग को पर्याप्त एवं प्रभावी संरक्षण देने में समर्थ नहीं होगा। ऐसी परिस्थितियों में, हम प्राधिकारी से एक बार फिर विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि वह हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यथाप्रस्तावित संदर्भ कीमत आधारित शुल्क के स्थान पर नियत शुल्क का उद्ग्रहण करें।
- 97. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह जांच के इस स्तर पर उत्पाद के दायरे या किसी अन्य मुद्दे के संबंध में किसी साक्ष्य या दस्तावेज पर विचार न करें। किसी नए दस्तावेज/साक्ष्य को नामंजूर कर देना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होगा तथा यह शकरीन और सीआर क्वाइल के मामले सिहत कई मामलों में प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई संगत परम्परा के अनुरूप भी होगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 98. प्राधिकारी नोट करते है कि प्रकटन विवरण जारी करने के पश्चात अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दे कमोवेश रूप से अपने पिछले प्रस्तुतिकरणों की पनुरावृत्ति ही है जिनका प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण के संगत खंडों में और अब इस अंतिम जांच परिणाम में भी पहले ही उचित रूप से समाधान कर दिया गया है। तथापि, स्पष्टता के उद्देश्य से प्राधिकरी अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात प्रस्तुतिकरणों के संबंध में निम्नलिखित जांच पुनः उल्लिखित करते हैं। प्राधिकारी ने प्रत्येक प्रस्तुतिकरण का विस्तृत वर्णन करने के बजाय विभिन्न प्रस्तुतिकरणों का संक्षेप में पहले ही समाधान कर दिया है।
- 99. घरेलू उद्योग की विभिन्न आकार और मोटाई की संबद्घ वस्तु का उत्पादन और घरेलू बिक्री करने की क्षमता के प्रस्तुतिकरण के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रकटन विवरण में यह स्पष्ट किया गया है कि घरेलू उद्योग के पास विभिन्न मोटाई एवं आकार की संबद्घ वस्तु का उत्पादन करने की क्षमता है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने स्थल सत्यापन के दौरान उसका सत्यापन किया है और यह उपपादित करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास विभिन्न मोटाई एवं आकार की संबद्घ वस्तु का उत्पादन करने की क्षमता है और उन्होंने उसका जांच की अविध के दौरान उत्पादन भी किया है। इसके अतिरिक्त, संबद्घ वस्तु का वाणिज्यिक मात्रा में उत्पादन और बिक्री करना मांग और बिक्री के संबंध में प्राप्त आदेशों पर निर्भर करता है।
- 100. जहां तक रिन्टेड/रंगीन ग्लास को अपवर्जित करने के मुद्दे का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिन्टेड/रंगीन ग्लास का उत्पादन करने के लिए भी किसी नए तकनीकी उन्नयन के बिना समान संयंत्र एवं उपकरणों की आवश्यकता होती है। इसके मद्देनजर, इन वस्तुओं को जांच के दायरे से अपवर्जित नहीं किया जा सकता है।
- 101. गुणवत्ता के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि हो सकता है कि चीन से आने वाले शीट ग्लास की गुणवत्ता अच्छी है, तथापि, पाटन अनुचित कीमत पहलू का समाधान करने के लिए होता है। इसके अतिरिक्त, गुणवत्ता में अंतर से जांच के दायरे से अपवर्जन केवल तभी किया जा सकता है जब उससे

कई ऐसी वस्तुओं का उदभवन होता हो जो समान वस्तु की कसौटी पर खरी न उतरती हो। इस मामले में आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु "समान वस्तुएं" हैं।

- 102. जहां तक जनहित के मुद्दे का संबंध है प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य एक समान अवसर मृजित करना है और पाटन के क्षितिकारी प्रभावों से घरेलू उद्योग को राहत प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क में घरेलू उद्योग को अनुचित संरक्षण प्रदान कराने की परिकल्पना नहीं की जाती है। भारतीय पाटनरोधी नियमावली में पाटनरोधी शुल्क का उदग्रहण करने के लिए न्यूनतर शुल्क नियमावली को अपनाया गया है अर्थात यह शुल्क न्यूनतर पाटन या क्षिति मार्जिन तक सीमित होता है जिससे कि अन्य पणधारियों के हितों का भी समाधान हो सके और एक संतुलित हण्टिकोण लिया जा सके।
- 103. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे के संबंध में कि घरेलू बीजकों को सार्वजनिक फाइल में रखा जाए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उसके लिए गोपनीयता का दावा किया है और प्राधिकारी की यह संगत परम्परा रही है कि घरेलू बिक्रियों/कीमत निर्धारण/ग्राहकों आदि के संबंध में गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया जाए।
- 104. उन निर्यातकों की, जिन्होंने जांच की अविध के दौरान केवल एक खेंप का निर्यात किया है, निर्यात कीमत को स्वीकार कर देने से मना करने के दावे के प्रत्युत्तर में प्राधिकारी, प्रकटन विवरण में यथा उल्लिखित अपने पर्यवेक्षणों को पुन: दोहराते हैं कि यह खेंप उचित और वास्तविक निर्यात कीमत स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने इस अधिगम को अपने पिछले निर्धारणों में भी निरतंतर अपनाया है।
- 105. जहां तक घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में दिए गए तर्क का संबंध है, प्राधिकारी पुन: दोहराते हैं कि शीट ग्लास और फ्लोट ग्लास को समान वस्तु के रूप में नहीं माना गया है। इस जांच का दायरा केवल शीट ग्लास तक सीमित होने के कारण घरेलू उद्योग के आधार पर मुद्दा तो तुच्छ पड़ जाता है। इसलिए प्राधिकारी याचिका के जांच परिणाम में पुन: दोहराते हैं कि घरेलू उद्योग अहं है।
- 106. डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों की छंटाई करने के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिका का अगोपनीय पाठ सार्वजनिक फाइल में पहले से ही उपलब्ध था। कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने इन आंकड़ों के आधार पर अपने प्रस्तुतिकरण किए हैं।
- 107. गोपनीयता के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उन्होंने इस पर विचार किया और उन्होंने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और परम्परा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पैरामीटरों पर गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया है।
- 108. जहां तक सामान्य मूल्य का निर्माण करने और व्यक्तिगत सामान्य मूल्य और उसके परिणामस्वरूप पाटन मार्जिन प्रदान करने का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि लिंक्ड उत्पादक/निर्यातक से प्रत्युत्तर के अभाव में किसी सहयोगकर्ता निर्यातक के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, सामान्य मूल्य का निर्माण करने के लिए अपनाई गई क्रियापद्धित को पाटनरोधी नियमावली के संगत प्रावधानों के अनुरूप अपनाया गया है।
- 109. प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दौरान विशेषकर विचाराधीन संबद्ध वस्तु के लिए लाभप्रदता सहित विभिन्न क्षति पैरामीटरों की जांच की है। गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत निगमित दिशानिर्देशों के अनुरूप तथा निर्धारण की मौजूदा प्रक्रिया से संगत किया गया है। तुलनपत्र में

दर्शाया गया लाभ कंपनी की समग्र लाभप्रदता को प्रदर्शित करता है जबकि पैरा 69 में दर्शाया गया लाभ केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित है।

ट. वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष

110. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत के संगत रूप से और समग्र रूप से वृद्धि हुई है। यह आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, क्षिति अविध के दौरान उत्पादन लागत में बढ़ोतरी होती रही, वहीं बिक्री लागत में वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप नहीं थी। इस प्रकार आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रहण कर रहे थे और कीमतों में उस वृद्धि को रोक रहे थे जो पाटित आयात न होने की स्थिति में हुई होती। पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर परिणामी प्रभाव के संबंध में यह पाया गया कि यद्यपि इस उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि हुई वहीं घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में पाटित आयातों में हुई वृद्धि के कारण गिरावट आई। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आ गई जिससे अन्य निष्पादन पैरामीटर प्रभावित हुए।

111. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव के कारण क्षति सहन करनी पड़ी है, जिसके परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता घट गई। नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ और नकद लाभ ने भी लाभ की प्रवृत्ति को ही अपनाया। लगाई गई पूंजी पर प्रतिलाभ और नकद लाभ दोनों में जांच की अविध के दौरान ऋणात्मक वृद्धि हुई। इस प्रकार, अधिकांश पैरामीटरों जैसे उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, लाभ, नकद लाभ, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ, बाजार हिस्सा और मालसूची के संबंध में वृद्धि यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। अतः, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ठ. कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारक

112. घरेलू उद्योग को कीमत अधोविक्रयण, कीमत निग्रहण और अवमंदन प्रभाव के रूप में पाटित आयातों के कीमत एवं मात्रा प्रभाव, वास्तविक क्षति, की मौजूदगी की जांच करने के पश्चात भारतीय नियमावली तथा पाटनरोधी करार में सूचीबद्ध अन्य संकेतक पैरामीटरों की जांच यह देखने के लिए की गई कि क्या पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य घटक ने भी घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति में अपना योगदान दिया है। तदन्सार, निम्नलिखित पैरामीटरों की जांच की गई है:

(क) तृतीय देश से आयातों की मात्रा एवं कीमत

113. जांच की अविध के दौरान संबद्ध देश के अलावा किसी अन्य देश से आयात नगण्य रहे हैं। इसलिए, यह नहीं माना जा सकता है कि अन्य देश से होने वाले आयातों ने घरेलू उद्योग को क्षति कारित की है।

(ख) विदेशी और घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा तथा व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं

114. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के लिए एकमात्र बाजार है जहां संबद्ध देश से पाठित आयात घरेलू उद्योग द्वारा सप्लाई की गई संबद्ध वस्तु के साथ प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह भी नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु समान वस्तुएं हैं और उनका समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों के लिए उपयोग किया जाता है। विदेशी उत्पादकों और घरेलू उत्पादकों के बीच कोई ऐसी प्रतिस्पर्धा या व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो।

(ग) मांग में संकुचन या खपत के प्रतिमान में परिवर्तन

115. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस उत्पाद की मांग ने क्षति अविध और जांच की अविध के दौरान भारी वृद्धि प्रदर्शित की है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि मांग में संकुचन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

(घ) प्रौद्योगिकी में विकास

116. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में किसी ऐसे भारी परिवर्तन का साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची हो।

(इ.) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

117. घरेलू उद्योग संपूर्ण क्षति जांच अविध के दौरान निर्यात बिक्रियों में रत नहीं थी। इसलिए, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को यह क्षति घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के कारण नहीं हुई है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

- 118. घरेलू उद्योग की उत्पादकता संपूर्ण क्षिति अविध के दौरान लगभग समान स्तर पर बनी रही। तदनुसार, यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षिति उत्पादकता की कमी के कारण नहीं आई है।
- 119. उपर्युक्त से, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि पाटन के अलावा किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

ड. कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

- 120. क्षिति अविध के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग निष्पादन में क्षिति अविध के दौरान वस्तुतः गिरावट आई है। पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को क्षिति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधारों पर स्थापित होता है:
 - (क) संबद्ध देश से आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे हैं। परिणामत:, आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है।
 - (ख) पाटित आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
 - (ग) पाटित आयातों द्वारा कारित किए जा रहे कीमत अधोरदन घरेलू उद्योग को लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतें बढ़ाने से वंचित कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अविध के दौरान गिरावट आई है।
 - (घ) पाटित आयातों की कीमत अवमंदन प्रभाव इस तथ्य से स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी कमी हुई है।
 - (ङ) लाभ, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ तथा नकद लाभ में गिरावट होना पाटित आयातों का प्रत्यक्ष प्रभाव है।
 - (च) कीमत से संबंधित आर्थिक तथा मात्रा पैरामीटरों के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि ऋणात्मक हो गई है।
- 121. उपर्युक्त आधार स्पष्टतः यह स्थापित करते हैं कि पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षिति के बीच कारणात्मक संबंध है। अतः, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को संबंद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षिति सहन करनी पड़ी है।

पाटन की मात्रा एवं पाटन मार्जिन

122. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षितिकारी कीमत का निर्धारण यथासंशोधित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर की है। इस तरह निर्धारित गैर-क्षितिकारी कीमत की तुलना में संबद्ध देश के आयातों की उतराई कीमत से की गई है।

चीन जन.गण. के उत्पादक और निर्यातक

123. चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा क्षति मार्जिन का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

विवरण	गैर-क्षतिकारी कीमत – यूएस डालर/एमटी	उतराई कीमत – यूएस डालर/ एमटी	क्षति मार्जिन – यूएस डालर/एमटी	क्षति मार्जिन - %	क्षति मार्जिन रैंज - %
चीन जन.गण. के सभी उत्पादक और निर्यातक	***	***	***	***	20-30

ण. निष्कर्ष

- 124. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए प्रस्तुतिकरणों, और इस जांच परिणाम में, यथा अभिलेखित, प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :
 - (क) विचाराधीन उत्पाद का संबद्ध देश से भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया, जिसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद का पाटन हुआ।
 - (ख) संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई।

त. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

- 125. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्य रूप से पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य घरेलू उद्योग को पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा कारित की जा रही क्षिति का उपशमन करना होता है जिससे भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपात रहित प्रतिस्पर्धा की ऐसी स्थिति पुनर्स्थापित हो सके जो देश के सामान्य हित में हो। पाटन रोधी शुल्क का अधिरोपण करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगा, उपभोक्ताओं को इस वस्तु की होने वाली उपलब्धता कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- 126. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से संबद्ध वस्तु का प्रयोग करके विनिर्मित किए जा रहे उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है और उसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संगत प्रतिस्पर्धात्मक पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से खासकर यदि पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित कर दिया जाता है तो भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण पाटन की प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ को दूर करेगा, घरेलू उद्योग को होने वाली और अधिक क्षति से बचाएगा तथा उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु का व्यापक विकल्प बनाए रखने में मदद करेगा। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगा और उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं एड़ेगा।

थ. सिफारिशें

127. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई तथा सभी हितबद्ध पक्षकारों को इसकी सूचना दी गई और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षिति और कारणात्मक संबंध के सभी पहलुओं पर सकारात्मक जानकारी प्रदान कराने के लिए उन्हें पर्याप्त अवसर दिया गया। पाटनरोधी नियमावली में दी गई शर्तों के अनुरूप पाटन क्षिति और कारणात्मक संबंधों की जांच प्रारंभ करके एवं आयोजित करके घरेलू उद्योग के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा इन पाटित आयातों के कारण हुई वास्तिवक क्षिति की स्थापना करके प्राधिकारी का विचार है कि पाटन और "क्षिति" को दूर करने के लिए जांच पूरी होना लंबित रहने तक निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करना अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने यह प्रतिनिधित्व भी किया है कि उन्हें संबद्ध देश से कम मूल्य वाले पाटित आयातों के कारण निरंतर क्षिति सहन करनी पड़ रही है। इसलिए प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों अधोलिखित स्वरूप और □ंग में निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं।

128. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षिति मार्जिन के न्यूनतर के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षिति को दूर किया जा सके। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केंद्रीय सरकार द्वारा जारी अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में विनिर्दिष्ट राशि के अनुरूप पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क	ताालका

क्रम	वस्तु शीर्ष	वस्तु	उदगम का	निर्यात का	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क/राशि	मापन की	मुद्रा
सं.		विवरण *	देश	देश				इकाई	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	7004 20	शीट ग्लास	चीन जन.	चीन जन.	कोई	कोई	63	एमटी	यूएस
	11 तथा		गण.	गण.					डालर
	7004 20								
	19								
2	वही	वही	कोई	चीन जन.	कोई	कोई	63	एमटी	यूएस
				गण.					डालर
3	वही	वही	चीन जन.	कोई	कोई	कोई	63	एमटी	यूएस
			गण.						डालर

*इस संबद्ध वस्तु का आयात 70031290, 70031990, 70033090, 70042099, 70049019, 70049099, 70052110, 70053090, 70091090, 70091090, 7009110, 70099100, 70119090 आदि जैसे अन्य प्रशुल्क शीर्षों के अंतर्गत भी किया जा रहा है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

129. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का उतराई मूल्य वहीं होगा जो सीमाशुल्क द्वारा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत यथानिर्धारित आकलित किया गया है और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत शुल्कों के सिवाय अन्य सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

130. केंद्रीय सरकार द्वारा इसे स्वीकार कर लिए जाने के पश्चात इस आदेश के विरुद्ध सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद कर एवं सेवा कर अपीलीय प्राधिकरण में अपील दायर की जा सकती है।

जे. के. दाद्र, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

Department of Commerce

(Directorate General of Anti Dumping and Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th December, 2014

Final Findings

Subject: Anti-Dumping Investigation concerning import of "Sheet Glass" originating in or exported from China F. No. 14/22/2013-DGAD:- Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules,1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules);

- 1. Whereas, Bharat Glass Tube Limited filed an application on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Sheet Glass (hereinafter also referred to as the "subject goods"), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the "subject country") and requested for initiation of anti-dumping investigations for levy of anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.
- 2. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence, submitted by the applicant issued a public notice dated 20th December 2013, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

- 3. The procedure described below has been followed by the Authority after issuance of the public notice notifying the initiation of the present investigation:
 - i. The Authority notified the Embassy/Representatives of the subject country in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - ii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 20th December, 2013 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.
 - iii. The copy of the Initiation Notification was sent to the known producers/exporters of the subject goods in the subject country, Embassy of the subject country in India, importers/users of the subject goods in India, the domestic producers and other known interested parties requesting them to file response and make their views known in writing.
 - iv. The Authority had provided the copies of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters of the subject goods in the subject country and to the Embassy/Representatives of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) supra.
 - v. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to the Embassy/Representatives of the subject country in India, along with the names and addresses of the exporters with the request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.

- vi. The initiation notification was sent to the following producers/exporters of the subject goods in the subject country:
 - a) RST International Glass Co., Ltd
 - b) Rider Glass Company Limited
 - c) Shouguang Jingyao Glass Product Co., Ltd
- vii. The following producers/exporters from the subject country submitted the questionnaire response:
 - a) Shandong Guangyao Super-Thin Glass Co., Ltd., China PR
 - b) Shouguang Yaobang Imp. & Exp. Industry Co., Ltd., China PR
 - c) Dongguan CSG Architectural Glass Co., Ltd., China PR
 - d) Guangxi Fungrich Imp & Exporter C., Ltd., China PR
- viii. Importers Questionnaire was sent to the following known importers and/or consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
 - a) Tech Arch Solutions
 - b) Polar Industrial Corporation
 - c) Shiv Shakti Enterprises
 - d) Krishan Glass Work Pvt Ltd
 - e) Ganga Jamuna Enterprises
 - f) J.K. Sales Corporation
 - g) Shiv Corporation
 - h) Ajanta Limited
 - i) Rikon Clock Manufacturing Company
 - j) Shriji Engineering
- ix. Importers questionnaire response was filed by only M/S Ajanta Pvt Ltd and R.S. Bawa & Sons. However, written submissions were also filed by Simplex Glass Works, who did not file any questionnaire response.
- x. The Authority made available non-confidential version of the documents and evidences presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xi. The Non-injurious Price is calculated based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Antidumping Rules so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xiii. On site verification of the information provided by the petitioner were conducted at the premises of the petitioner. Only such verified information with necessary rectification wherever applicable is relied upon for the purpose of present findings.
- xiv. Investigation was carried out for the period starting from 1st July, 2012 to 30th June, 2013 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2010-March 2011, April 2011-March 2012, April 2012-March 2013 and the POI.
- xv. In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties vide disclosure statement dated 9th December 2014

- and comments received thereon, considered relevant by the Authority, have been addressed in this notification.
- xvi. ***In this Final Finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xvii. The exchange rate adopted for the POI is 1 US = Rs. 55.15

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

- 4. The product under consideration in the present investigation is Sheet Glass, originating in or exported from China PR. It is produced by using horizontally lehr. The glass is taken directly from the free surface of the melt and the edges of the sheet are stabilized by driving the glass upward using rotating bodies. The molten glass passes from the glass furnace to a vertical drawing machine to a height of about 1000 MM from where the formed glass is converted in to glass sheet by horizontal flow. Once the sheet is formed, it is bent over a polished metal roll and carried away horizontally into a lehr. Float glass, figured and wired glass are not covered within the scope of Product under Consideration.
- 5. Product under Consideration is classified under the heading "Glass and Glassware" in Chapter 70 and further under 7004.20. The classification at 8-digit level is 70042011 and 70042019. However, the subject goods are also been imported under different customs classifications such as 70031290, 70031990, 70033090, 70042099, 70049019, 70049099, 70052110, 70053090, 70091090 etc. The classification, is only indicative and in no way binding on the scope of the present investigation.

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 6. Shandong Guangyao Super-Thin Glass Co Ltd. and China PR, Shouguang Yaobang Imp. & Exp. Industry Co Ltd., China PR, exporters and Ajanta Ltd., importers of the subject goods from the subject country have submitted that sheet and float glass should be considered as "like product" as per Article 2.6 of the WTO ADA due to the same physical characteristics, end use and substitutability.
- 7. Sheet glass of thickness 2mm & below and widths higher than 920mmx1220mm is to be excluded from the scope of the product under consideration due to the applicant domestic producer's inability to produce the same.
- 8. Domestic industry has not provided description or specification of the product with regard to size, quality, category and use of the subject goods. Applicant domestic industry has also not defined the thickness as well as size of the sheet glass.
- 9. Bharat Glass is not producing all thicknesses of sheet glass. Further, it does not have the capacity to produce colour sheet and the product manufactured by Bharat Glass is not upto the mark.

Submissions by the domestic industry

- 10. Domestic industry has submitted that sheet and float glass should not be considered as "like product" as sheet glass and float glass are two distinct products having different technical characteristics, prices and costs. Further, it has submitted that in the past also Authority had initiated and recommended anti-dumping duty on the float glass but sheet glass is never included within the scope of PUC for the simple reason that technical characteristics, prices, marketability and costs of both these products are different. In order to substantiate their claim in this context, domestic industry has cited relevant portion from the Final Findings No. 15/01/2007-DGAD dated 2nd December, 2008 against the imports of Float Glass from China PR and Indonesia.
- 11. Domestic industry has submitted that the claim of the interested parties regarding the inability of the domestic industry to produce sheet glass of thickness 2mm & below and sizes above 920mmx1220mm is without any merit. In order to substantiate their claim, domestic industry has enclosed some sample sales invoices of sheet glass of 2mm and below. Further, domestic industry has submitted that it has the capability to produce the subject goods up to 12mm thickness. It has further submitted that the actual production of the subject goods of various thicknesses is a factor of market demand.
- 12. Domestic industry has submitted that neither the grades nor the sizes are relevant in this case as the domestic industry either produces all types/grades/thicknesses of the product concerned or has the capability to produce all types/grades/thicknesses of the product concerned.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 13. The product under consideration in the present investigation is "Sheet Glass", originating in or exported from China PR.
- 14. The glass is taken directly from the free surface of the melt and the edges of the sheet are stabilized by driving the glass upward using rotating bodies. The molten glass passes from the glass furnace to a vertical drawing machine to a height of about 1000 MM from where the formed glass is converted in to glass sheet by horizontal flow. Once the sheet is formed, it is bent over a polished metal roll and carried away horizontally into a lehr.
- 15. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

- 16. The various submissions made by the interested parties with regard to the scope of PUC and domestic like article and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
 - i. The petitioner has claimed that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject country. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from the subject country are comparable in terms of characteristics such as technical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market and tariff classification of the goods. Examination of the product and import data submitted by the applicant and the respondent exporters indicates that there is no difference between subject goods produced by the Domestic Industry and imported from the subject country. In view of the similarity in manufacturing process and substitutability, the Authority holds that the two are treated as alike and one product for the purpose of defining the 'product under consideration' in this case.
 - ii. As regards the submission of the interested parties that sheet glass and float glass should be considered as like products, the Authority holds that sheet glass and float glass are two distinct products having different technical characteristics, price and cost.
 - iii. With regard to the submission of the interested parties, that Sheet glass of thickness 2mm & below and sizes above 920mmx1220mm be excluded from the scope of the product under consideration due to the applicant domestic producer's inability to produce the same, the Authority notes that the domestic industry had produced thickness 2mm and below. The issue of sizes does not lead to exclusion based on the principle of like article.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

17. Interested parties have submitted that the applicant domestic producer does not Constitute "Domestic Industry" as per Rule 2(b) of the AD Rules and Article 4.1 of the WTO ADA as sheet and float glass are considered as "like product" as per Article 2.6 of the WTO ADA due to the same physical characteristics, end use and substitutability. As a result, the share of the Applicant Domestic Producer in total production of the PUC in 2010-11 is a mere 3.6%. This share further decreased to 2.8% in 2011-12 that cannot be construed a "major proportion" of the subject good in any circumstances, and therefore, applicant domestic producer does not satisfy the definition of "domestic industry".

Submissions by the domestic industry

18. The domestic industry has submitted that the contention of the interested parties that sheet and float glass should be considered as "like product" is without any merit for the reasons mentioned above. Therefore, the arguments based on this premise are without any merit. The domestic industry has submitted that they accounts for 100% of the total Indian production of the subject goods.

[भाग I-खण्ड 1] भारत का राजपत्र : असाधारण 39

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 19. Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under: -
 - "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"
- 20. The application in the present investigation has been filed by Bharat Glass Tube Limited on behalf of the domestic industry. As claimed by the applicant, it is the sole producer of the subject goods in the country.
- 21. As regards the claim of the interested parties that the "Domestic Industry" should be determined considering sheet glass and float sheet as like products, the Authority notes that sheet glass and float glass are two distinct products and cannot be considered as "like articles" for the reasons mentioned earlier. That being the case, the contention of the interested parties to determine the status of the domestic industry taking into account the production of float glass also, is rejected.
- 22. On a detailed examination of the facts, the Authority determines that Bharat Glass Tube Limited accounts for 100% of the total domestic production of the subject goods during the POI. It is further noted that petitioner has not imported the product under consideration nor are they related to any importer or exporter of the product under consideration. The petitioners, therefore, constitute 'Domestic Industry' in terms of Rule 2(b) of the AD Rules. It is also clear that the application, having been made by or on behalf of the domestic industry, satisfies the requirements of 'standing' under Rule 5 of the AD Rules.

D. Confidentiality

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 23. Various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. The petition suffers from excessive confidentiality. The petition provides no evidence with respect to adjustments claimed to the export price.
 - ii. The domestic industry has not provided much information about the subject goods viz. quality, category, uses, etc.
 - iii. The application filed by the applicant domestic producer contains numerous violations of the Application Proforma like application does not contain Proforma IVB at all etc.

Submissions made by the domestic industry

- 24. With regard to the issues of confidentiality, the domestic industry has submitted that the contention of the interested parties regarding violation of the Application Proforma by the domestic industry is without any merit. Domestic industry has filed the application in accordance with the AD Rules and the prescribed formats. Further, information relating to Proforma IV B has also been provided in the non-confidential version of the application at the relevant places. It is further submitted that the Domestic Industry has claimed confidentiality on their business sensitive information with adequate reasons in accordance with the legal provisions and the guidelines being followed by the Authority.
- 25. The domestic Industry has, on the other hand, submitted that the participating exporters have claimed excessive confidentiality. It is submitted that the exporter has not provided a meaningful summary of the various Appendices as prescribed in the exporter's questionnaire viz. Appendix-2, Appendix-2A, Appendix-3, Appendix 4, Appendix-7 etc. In all of the above appendices, the information even in the indexed form has not been provided. Moreover, even the details regarding the production, exports to India, domestic sales and capacity have also been claimed as confidential.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

26. The various submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority have been examined. Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2), (3) (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

- (2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.
- (3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.
- 27. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.
- 28. With regard to the submission of the opposite interested parties that the petitioner should make available information about the subject goods viz. quality, category, uses etc., the Authority notes that the domestic industry has already provided the information on the uses etc of the subject goods in the application filed with the Authority. A copy of the non-confidential version of the application has been sent by the Authority to the known interested parties. Moreover, it is also made available in the public file.

E. Miscellaneous Submissions

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 29. The miscellaneous submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. The Applicant domestic producer has neither disclosed any evidence in its construction of Normal Value nor followed the correct procedure in determining the same. Applicant Domestic Producer is required to resort to the price at which the subject good is exported from the third country to other countries, including India as the same is available in UN Comtrade.
 - ii. The application does not contain any evidence with regard to adjustments to Export Price.
 - iii. The production of the Applicant Domestic Producer in its Balance Sheet for 2012-13 states that the production of sheet glass is 5125475 (Sq. Mt. 2mm basis) which amounts to 25002 MT. However, the production claimed by the Applicant Domestic Producer in the petition is 24788 MT which reflects inaccuracies in the production data.
 - iv. In direct contrast to its claims of loss in the petition, the applicant domestic producer in its balance sheet for the 2012-13 has stated that it has increased its net profit by 100.84% in 2012-13 as compared to 2011-12.
 - v. During the POI, the exchange rate for USD that has been adopted by domestic industry is 55 for computation of normal value and export price. However, the prevailing rate of USD, as per the RBI, is currently 62.2.
 - vi. Duty, if any, must be imposed on reference price basis.
 - vii. Applicant has changed its accounting policy, which may have impacted the amount of depreciation charged during the year. Interested parties have requested to examine this issue.

- viii. Interested parties have requested DGAD to direct applicant to provide an explanation as to how it has sorted import data from the raw import data and also requested to direct them to provide the transaction-wise raw import data as well as sorted imported data to the respondent in MS-Excel format.
 - ix. No communication regarding initiation was sent to the exporter i.e., Guangxi Fungrich Imp & Exporter C., Ltd., China PR. Accordingly, request Authority to accept the belated response filed with the Authority.

Submissions made by the domestic industry

- 30. The miscellaneous submissions made by the domestic industry and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. China has been considered as a non-market economy country by various authorities world-over. Accordingly, domestic industry had determined the normal value for the same as per procedure described in Para 7 of Annexure I to the Anti-dumping Rules. Further, as far as the suggestion of the interested parties that the applicant domestic producer is required to resort to the prices of the subject goods from third country to other countries particularly when the same is available on UN Comtrade is concerned, it is submitted that UN Comtrade data relating to the exports or imports is available on a consolidated level and no transaction-wise data is available. Moreover, description of the product is also not available. Domestic industry has invited the attention of the Authority to the fact that the HS code of the product under consideration is 7004 20 11 and 7004 20 19. However, subject goods are also being imported in various other HS Codes. Furthermore, after the perusal of the raw import data, it is clear that many products that fall outside the purview of the product under consideration (i.e. NON-PUC) are also being imported in India within the HS code of PUC. Accordingly, there is a gross misclassification of the products in the import data and, therefore, classification of the export data at transaction level is must for proper comparison. In view of the above, it has submitted that considering price of consolidated level data from UN Comtrade will not result in proper comparison.
 - ii. Choice of the method for determining the normal value rests with the Designated Authority and not with the exporter. Domestic industry has invited the attention of the Authority to the decision of the Hon'ble Supreme Court in the case of Designated Authority v. Haldor Topsoe, 2000 (120) ELT 11 (SC) wherein it has been clearly made that that the choice of the method for determining the normal value rests with the Designated Authority and not with the exporter. In the absence of information with regard to the domestic sales and the third country export by the producer it is not possible for the Authority to determine the Normal value as per the Anti-dumping Rules and, hence, the response has to be rejected outright. Further, domestic industry has submitted that non-filing of the MET claim cannot lead to curtailing the rights of the Designated Authority regarding the methodology to determine the normal value.
 - iii. Domestic industry has not imported the subject goods from the subject country during the investigation period. In view thereof, it is not possible for the domestic industry to provide evidence for the same. However, attention of the Authority is invited to the fact that the domestic industry has claimed the adjustments to the export price as per its market intelligence.
 - iv. Allegation raised by the interested parties regarding difference in the production quantities reported in the Balance Sheet and to the Anti-dumping Authorities by the domestic industry is without any merit. Domestic industry has invited the attention of the Authority to the fact that the interested parties have compared the production quantity for the year 2012-13 with the production quantity for POI (i.e. July 2012-June 2013). Accordingly, reached to a wrong conclusion of the difference in the production quantities.
 - v. The contention raised by the interested parties that there is an increase in the net profit of 2012-13 by 100.84% is without any merit. Domestic industry has not made any claim in the balance sheet regarding 100.84% increase in the profitability in the year 2012-13. It seems that the interested parties have ignored the fact that the profit of 2011-2012 includes substantial loss on account of the figured glass operations (since discontinued) to reach to a wrong conclusion of 100.84% increase in the profitability in the year 2012-13. Domestic Industry has submitted that the profitability of the

- subject goods reduced to 40% in the year 2012-13 as compared to the year 2011-12 and the detailed costing is already submitted to the Authority.
- vi. Adopting the exchange rate of the POI for calculating Normal Value, Non-injurious Price etc. is the standard practice being followed by the anti-dumping Authorities. Same practice is being followed consistently by the Authority in all cases.
- vii. Indian economy is witnessing significant volatility in the rupee value vis-à-vis US dollars. Moreover, the reference price based duty does not take into account the price and cost volatility of the subject goods. In such a scenario, duty based on reference price will not be able to provide sufficient and effective protection to the domestic industry against dumped imports from the subject country.
- viii. Domestic industry has claimed that due to closure of the Nasik plant all the assets of Nasik plant have been transferred to Ankleshwar plant. Accordingly, depreciation methodology has been changed from WDV to SLM, which is being consistently followed for the existing assets of the Ankleshwar plant. Change in the method of depreciation has resulted into decrease in the amount of depreciation charged during the POI.
 - ix. Domestic industry has submitted that import data for the subject goods has been sorted based on the description given in each transaction in the import data. The details of which has been provided as Annexure 2 to the application. Further, domestic industry has submitted that import data has been provided in the application as per the consistent practice of the Authority followed in other cases.
 - x. Shouguang Yaobang Imp. & Exp. Industry Co., Ltd. China PR (Exporter) has not filed the questionnaire response relating to the linked producer. In the absence of which, it is not entitled to an individual dumping margin. The response is to be rejected outright on this ground alone. Further, it has submitted that the exporter has not even disclosed even the name of the linked manufacturer/producer from which it has purchased the subject goods in the POI for exporting the same to India. In view of the above, domestic industry has requested the Authority to reject the response filed by the exporter considering the consistent practice being followed by the Authority in plethora of cases.
 - xi. Shouguang Yaobang Imp. & Exp. Industry Co., Ltd. China PR (Exporter) has furnished completely contradictory and misleading information. In Q. No. 2 of Section B, the exporter has stated that they are not engaged in the domestic sales. Whereas, in response to Section J which is in the context of information related to third country exports, exporter has replied that "Not applicable as Shouguang Yaobang submits that its normal value shall be based on the sales in domestic market". It may also be noted that the exporter is under an obligation to submit the information as per the guidelines given in the prescribed format of the response i.e., exporter's questionnaire. Accordingly, domestic industry has requested the Authority to ask the exporter to file the third country information as the exporter has themselves accepted the fact that they are not engaged in domestic sales
- The response of Shandong Guangyao Super-Thin Glass Co., Ltd. China PR (Exporter) is liable to xii. be rejected on the ground that the exporter has admittedly not produced the subject goods during the POI and very insignificant volumes have been exported to India during the POI. The exporter has claimed during the public hearing that they have exported the subject goods to India from the inventory of 200 MT of the preceding year. Accordingly, exports made by the exporter account for only 0.73% of the total exports to India even after assuming that all the inventory i.e., 200 MT of the preceding year has been exported to India only. Further, domestic industry has submitted that the exporter has exported only one consignment of the product concerned to India during the entire POI. Furthermore, domestic industry has also submitted that the exporter has accepted during the public hearing that they have produced only 3600 MT in the preceding year. However, no information has been provided by the exporter about their annual capacity. It has also submitted that the production level or a capacity of a mere 3600 MT is completely unviable. Under such circumstances, the exporter has merely acted as a trader as far as their operations during the POI are concerned. In the absence of the requisite data relating to production and costs, they are ab initio not entitled to a separate treatment for this reason also.
- xiii. Both the exporters mentioned above have stated in their response that they are not providing the Appendix-1, Appendix-3B, Appendix-3C, Appendix-8B and Appendix-8C as they are claiming

Constructed Normal Value as their Normal Value. Exporters may be asked to clarify under which law they are absolved from the legal obligation to file the above mentioned Appendices by merely claiming Constructed Normal Value as their Normal Value. Further, it has submitted that the exporter has to provide Appendix-1 even if the company did not sell the product in the domestic market. Further, in such cases, details for exports to third countries other than India are also to be provided. Domestic industry has also invited the attention of the Authority to the guidelines prescribed in the General Introduction section of the Exporters Questionnaire Format wherein it is clearly stated that the questionnaire is not a "fill in type" and provides for submission of answers to all questions. In case the information is found incomplete or not adhering to the prescribed format, the same can be rejected by the Designated Authority. Therefore, exporter has to submit the information strictly as per the questionnaire prescribed by the Authority.

- xiv. The response of Dongguan CSG Architectural Glass Co., Ltd. (Exporter) is liable to be rejected on the ground that the exporter has accepted during the public hearing that they have not exported the product under consideration i.e., Sheet Glass. They further admitted that the product exported by them i.e., Float Glass is also not a like article to the Product under Consideration. Furthermore, domestic industry has also submitted that the fact that product exported by them is neither the product concerned nor like article is amply clear from the written submissions filed by the exporter. Domestic industry has submitted that exporter has not even enclosed Appendix A i.e., Certificate of true, complete & correct information. This is inevitable information that is required to count on the information furnished by the exporter.
- xv. Domestic industry has submitted that the written submissions filed by R.S. Bawa & Sons and Simplex Glass Works should not be accepted as they have not filed the importers questionnaire response within the prescribed period. Further, domestic industry has also submitted that the abovementioned interested parties have accepted during the public hearing that they have not filed the response within the prescribed time frame.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 31. Various issues raised by the interested parties and the Domestic Industry considered relevant by the Authority are examined herein below. Responses related to Normal Value and Export price have been appropriately considered in Annexure 2.
 - i. As regards the contention of the some interested parties regarding the exchange rate used for the calculation of normal value etc., the Authority has considered the exchange rate for the period of investigation and determined in accordance with the consistent practice followed by the Authority.
 - ii. The interested parties have claimed that duty, if any, should be based on a reference price. In this context, the Authority holds that considering the nature of business, price and cost volatility of the subject goods, fixed anti-dumping duty is appropriate and recommended.
 - iii. The interested parties have requested the Authority to examine the impact of the change in the method of depreciation. In this context, the Authority notes that this issue has been examined during domestic industry's verification visit and has been appropriately taken care of by the Authority in injury analysis.
 - iv. As regards the claim of the domestic industry to reject the written submissions filed by R.S. Bawa & Sons and Simplex Glass Works, the Authority notes that M/s Simplex Glass works has not filed any questionnaire response within the prescribed time frame and, therefore, it cannot be considered as an interested parties as per the provisions of law and the consistent practice of the Authority. Further they have also not given sufficient grounds for the not filing the same.
 - v. In the context of the alleged contradictions in the balance sheet and the application, the Authority notes that the Domestic Industry clarifications that profit for the year 2011-2012 includes substantial loss on account of the figured glass operations (since discontinued). The authority has verified the injury details during POI through an on spot domestic verification and on the basis of records has evaluated all injury parameters as per rules and its consistent practice.

$\label{eq:methodology} \mbox{ METHODOLOGY AND DETERMINATION OF DUMPING AND DUMPING MARGINGS} \\ \mbox{ F. Normal Value}$

- 32. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:
 - (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
 - (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);
- 33. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The questionnaire responses have been filed by the following exporters/producers:
 - i. Shandong Guangyao Super-Thin Glass Co., Ltd., China PR
 - ii. Shouguang Yaobang Imp. & Exp. Industry Co., Ltd., China PR
 - iii. Dongguan CSG Architectural Glass Co., Ltd., China PR
 - iv. Guangxi Fungrich Imp & Exporter C., Ltd filed response after the last date.
- 34. With regard to the response filed by M/s Shouguang Yaobang Imp. & Exp. Industry Co., Ltd., China PR, the Authority notes that the said exporter has not filed the response of the linked manufacturer/manufacturers from whom it has purchased the subject goods and exported to India during the POI. In view of the fact that the said exporter has failed to provide the information relating to the linked producer, the Authority is of the considered view that the exporter is not entitled to an individual normal value and accordingly an individual dumping margin in terms of the provisions of law and consistent practice of the Authority. Accordingly, the authority has adopted the consistent methodology for determination of Normal Value for Non Market Economy.
- 35. With regard to the response filed by Dongguan CSG Architectural Glass Co., Ltd., China PR, the Authority notes that the said exporter has submitted during the public hearing followed by written submissions also that they have not exported the product under consideration i.e., Sheet Glass. The authority notes that the end user who has imported the said goods is also a user of the float glass. The exporter has mentioned that the ITC HS has been erroneously mentioned by them on the export documents and that the goods are not Sheet Glass. Accordingly, the authority has accepted the submission of the exporter that the exported goods are not sheet glass and hold that the said exporter has not exported the product concerned and accordingly the exporter is not considered as an interested party as per the provisions of law.
- 36. With regard to the request made by Guangxi Fungrich Imp & Exporter C., Ltd., China PR to accept their response, the Authority notes that the same was received much after the time limit prescribed by the Authority. The said exporter has contended that they did not receive any communication from the Designated Authority and came to know about the initiation only through their Indian buyers. Hence, the delay in filing their response. In this connection, the Authority notes that the ground for filing delayed response by the said exporter cannot be accepted, as the notice of initiation was sent to all the known exporters as required in Rule 6. At the same time, a copy of the initiation notification along with a non-confidential version of the application was also sent to the Embassy of China PR as required under the rules. It is not envisaged in law or in practice that each and every interested party ought to be notified about the proceedings individually. The fact that it is communicated to the known exporters as well as to the Embassy of China PR is sufficient to meet the requirements of law. In view thereof, time barred response filed by the said exporter cannot be accepted. Further, the Authority notes that the said exporter has also not filed the response of the linked manufacturer from whom it has purchased the subject

goods and exported to India during the POI. In view of the aforesaid, exporter is not entitled to any individual normal value, export price and consequentially a dumping margin in terms of the provisions of law.

- 37. It is submitted by the Domestic Industry that China has been treated as a non-market economy country by various authorities world over and in recent cases China has been treated as non-market economy country in India also. Therefore, the normal value for China is required to be determined as per the procedure described in Para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. For the ready reference the provisions of Para 7 are quoted below:
 - "7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Account shall also be taken within time limits, where appropriate, of the investigation if any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."
- 38. Normal value for China is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country or the constructed value in a market economy third country or the export prices from such a third country to any other country including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.
- 39. In the absence of any price and cost details for the subject goods in any market economy third country and the fact noted that none of the exporters/producers has claimed market economy treatment in terms of Paragraph 8(3) of Annexure 1 to the Anti-dumping Rules, the Designated Authority is left with no alternative but to determine normal value estimated on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin.
- 40. Based on the information made available by the domestic industry, producers and the exporters and other information available with the Authority, the normal value for the subject goods has been constructed as USD *** per MT for all producers/exporters from China PR.

Export price for Producers/Exporters from China A. M/s Shandong Guangyao Super-Thin Glass Co., Ltd

41. M/s Shandong Guangyao Super-Thin Glass Co., Ltd., (hereinafter referred to as "producer cum exporter") is a limited liability company established in accordance with the company law of China. It is noted that said exporter is both a producer and an exporter of the product under consideration. However, it has not manufactured the product under consideration during the period of investigation and has accordingly not claimed an individual normal value. Further, it is noted that the exporter has exported only one consignment of *** MT during the POI which is not significant and representative to determine separate Dumping or Injury Margin. The Authority therefore has not determined the export price for this exporter.

B. All exporters from China

42. The Authority has determined the export price for all producers and exporters including M/s Shandong Guangyao Super-Thin Glass Co., Ltd from China on the basis of the best facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. The net export price so determined works out to US\$ *** per MT.

Dumping Margin

43. Considering the normal value and export price for subject goods, the dumping margin for the subject goods for cooperating and other exporters has been determined as follows:

All producers and	exporters from China
-------------------	----------------------

Particulars	China (\$/MT)
Normal Value	***
Ex-factory price	***
Dumping margin	***
Dumping margin (%)	***
Dumping margin (Range)	65-75

It is seen that the dumping margin for the subject goods is more than de-minimis and significant.

G. INJURY DETERMINATION

Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties

- 44. The following are the injury related submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties:
 - i. The Applicant Domestic Producer has been enjoying an extremely high rate of capacity utilization and was able to utilize its capacity at the rate of 99.4% in 2010-11, which only marginally declined to 97% in 2011-12 and 93-94% in 2012-13 and the POI.
 - ii. Applicant Domestic Producer was able to sell 98-99% of the goods produced every year. In that case, inventories with the Applicant Domestic Producer should logically be very low, as opposed to the inflated inventory figures provided in the petition. Costs as well as the dumping and injury margin must be computed for each thickness of sheet glass.
 - iii. The Applicant Domestic Producer is alleging that imports of the subject good from China PR is substantially high and is hampering the functioning of the Applicant Domestic Producer. However, it is to be noted that the Applicant Domestic Producer is only able to cater to 45-55% of the total demand on an average. Even while the capacity utilization of the Applicant Domestic Producer was 99%, it was at the most able to cater to about 64% of the total demand.
 - iv. The landed values of the subject good have undergone a consistent increase over the injury period as well as the POI. It underwent an increase from Rs13719 in 2010-11 to Rs 14075 in 2011-12 and Rs. 15259 per MT in 2012-13. In the POI, the landed value jumped further to Rs. 15465 per MT.

Submissions made by the domestic industry

- 45. The following are the injury related submissions made by the domestic industry:
 - Costing data has been provided on a per ton basis to ensure proper comparison and in view of the
 fact that the differences in the costs and prices of various thicknesses of the product under
 consideration are very small.
 - ii. Domestic industry is in the installation phase of the additional production capacity of the subject goods that will be operational by the end of the year. It will increase the production capacity of the domestic industry by around 25,000 metric tons per annum. However, due to huge quantity of the dumped imports at injurious prices from the subject country, it seems unlikely that the domestic industry will be able to maintain the present levels of capacity utilization in the future also if the low value dumped imports from the subject country continue to be imported.
 - iii. The demand of the product in the country shows a robust growth during the POI. However, share of domestic industry declined due to dumped imports.

- iv. Imports from subject country have increased significantly in absolute term as also in relation to production and consumption in India. As a result, share of the domestic industry has declined steeply.
- v. Average import price from the subject country is significantly below net sales realization of the domestic industry, thus, resulting in significant price undercutting.
- vi. The increase in selling price was lower than the increase in cost of production leading to price suppression.
- vii. Domestic industry has suffered material injury in connection with dumping of subject goods from subject country. Further, the domestic industry is threatened with continued injury, should the present condition continue.
- viii. The profitability of the domestic industry sharply and materially declined as an impact of dumping from subject country and remained at negligible levels during the POI.
 - ix. Market share of the domestic industry has severely declined whereas that of imports from subject country has substantially increased.
 - x. Productivity of the domestic industry has remained almost at the same level during the injury period.
 - xi. Return on investments has declined sharply. The current level of ROI is much less than the desirable and legitimate levels which should have been achieved by the domestic industry in the absence of dumped imports, considering the huge investments it has made.
- xii. Inventory during POI has significantly increased.
- xiii. Overall growth parameters of the domestic industry in terms of sales, market share, profit per MT, PBIT, ROI etc has became negative.
- xiv. The dumping margin from subject country is not only more than de-minimis levels but is very significant.
- xv. The domestic industry has suffered material injury due to dumped imports of the subject goods from the subject country.
- xvi. Presence of import at very low prices preventing domestic industry to increase their price to the extent of increase in input cost resulting into suppression of the selling prices of the domestic industry.
- xvii. Reduction in profits directly resulted in deterioration in return on capital employed and cash profits. The domestic industry has not been able to cover the cost of capital. Thus, deterioration in profits, return on capital employed and also cash flow and cash profit is directly due to dumped imports.

Examination by the Authority

46. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in

India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

47. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

- 48. The injury analysis made by the Authority hereunder *ipso facto* addresses the various submissions made by the interested parties. However, the specific submissions made by the interested parties are addressed by the Authority as below:
 - i. As regards the submission that the increasing imports from China are a natural result of the gap between high demand in India and insufficient supply capacity of Indian sheet glass industry, the Authority notes that lack of adequate capacity with the domestic industry does not justify dumped imports. Moreover, anti-dumping measures are not intended to prevent imports but rather to create a level playing field for the domestic industry vis-à-vis the dumped imports.
 - ii. With regard to other contentions of the interested parties, the Authority has appropriately dealt with the same in the following paragraphs.

H. VOLUME EFFECT OF THE DUMPED IMPORTS ON THE DOMESTIC INDUSTRY

a) Demand and market share

49. Demand or apparent consumption of the product in India has been taken as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below:

i. Demand

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI (July, 2012 to
					June, 2013)
Demand	MT	38,732	47,420	53,185	52,284
Trend	Indexed	100	122	137	135
Imports from Subject	MT	11,994	20,779	27,078	27,026
Country					
Imports from Other	MT	272	887	1296	859
Country					
Sales of Domestic	MT	26,466	25,754	24,811	24,398
Industry					
Trend	Indexed	100	97	94	92

50. It is noted that the sales of the domestic industry has declined in the POI as compared to the base year as well as all the preceding years despite increase in the demand from the base year to the POI.

ii. Market Share in Demand

51. Considering imports from various sources and sales of the Indian Producer, market share of subject imports in demand in India was examined. The position is as follows:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI		
Demand	MT	38,732	47,420	53,185	52,284		
Share in Demand							
Imports from Subject Country	%	30.97	43.82	50.91	51.69		
Imports from Other Country	%	0.70	1.87	2.44	1.64		
Sales of Domestic Industry	%	68.33	54.31	46.65	46.67		

52. It is seen from the above table that the demand for the product increased significantly in the country throughout the injury period and also during the POI. While the share of imports from subject country which was 30.97% in the base year has increased to 51.69% in the POI. The share of domestic industry has declined from 68.33% in the base year to 46.67% in the POI. Thus, the imports from subject country showed significant increase while the share of domestic industry declined during the same period.

b) Import volume and market share

53. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods on the import data received from the DGCI&S. The import volumes from subject country are found to be above the de-minimis levels as can be seen from the table below:-

Particulars		Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Volume	Subject Country	MT	11,994	20,779	27,078	27,026
	Other country	MT	272	887	1296	859
	Total imports	MT	12,266	21,666	28,374	27,885
Market Share in	Subject Country	%	97.8%	95.91%	95.43%	96.92%
Imports	Other country	%	2.22%	4.09%	4.57%	3.08%

54. It is seen from the above table that imports from subject country increased from 11,994 MT in the base year to 27,026 MT during the POI. It is also noted that imports from subject country account for 96.92% of the total imports of product under consideration in India during the POI.

c) Share of imports in relation to production

55. Authority observes that the imports from subject country have increased in relation to the production of the domestic industry, as is evident from the following table:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Imports from Subject Country	MT	11,994	20,779	27,078	27,026
Production of domestic industry	MT	26,486	25,784	25,142	24,788
Dumped Imports in relation to	%				
production of domestic industry.	%	45.3%	80.6%	107.7%	109.0%

56. It is noted from the above table that the share of the dumped imports from the subject country in the total domestic production is increased from 45.3% in the base year to 109% during the POI.

d) Capacity & capacity utilization

57. Details regarding the capacity and capacity utilization of the domestic industry are provided in the below table:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Capacity MT	MT	26,645	26,645	26,645	26,645
Capacity utilization	%	99.40	96.77	94.36	93.03

58. It is noted from the above table that capacity utilization of the domestic industry declined during the POI as compared to the base year as well as the preceding years. Domestic industry claimed that such decline in capacity utilization is the direct impact of increase in dumped imports in the same period. Decline in capacity utilization, when there is an increase in the demand, shows adverse impacts on the domestic industry due to absorption of such increase in demand by dumped imports.

e) **Production**

59. Production data of the domestic industry is given in the following table:-

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Production	MT	26,486	25,784	25,142	24,788
Trend	Indexed	100	97	95	94
Demand	MT	38,732	47,420	53,185	52,284
Trend	Indexed	100	122	137	135

60. It is noted from the above table that production of the domestic industry has declined during POI as compared to the base year as well as the preceding years whereas demand in the same period has increased significantly. The domestic industry has submitted that even when demand increased sharply, the dumped imports prevented the domestic industry to increase its production.

f) Sales volume

61. Sales volume of the domestic industry is given in the following table:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Domestic sales	MT	26,466	25,754	24,811	24,398
Trend	Indexed	100	97	94	92
Demand	MT	38,732	47,420	53,185	52,284
Trend	Indexed	100	122	137	135
Market Share of domestic industry in Demand	%	68.33	54.31	46.65	46.67

62. It is observed from the above table that sales of the domestic industry have declined during POI as compared with the base year as well as the immediately preceding years despite the demand for the product has increased significantly during the same period. The domestic industry has claimed that the reason for the reduction for the market share of the domestic industry is the significantly low value dumped imports from the subject country. Resultantly, the domestic industry lost significant market share.

g) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

63. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the purpose of this analysis, the average cost of production (COP), average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject country.

i. Price Undercutting

64. The net sales realization was arrived after deducting post factory expenses i.e., outward freight and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty including applicable cess to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales

realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry as can be seen from the table below:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Landed price of imports	Rs/MT	***	***	***	***
Net selling price	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range	10-20	10-20	20-30	10-20

65. It is observed from the above table that imports are significantly undercutting prices of domestic industry throughout the injury period as well as POI.

ii. Price Underselling

66. Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules. The analysis shows that the landed value of subject imports was below the non-injurious price as can be seen from the table below.

Particulars	China (Rs/MT)	China (\$/MT)
NIP	***	***
Landed price of imports	***	***
Price underselling	***	***
Price underselling (%)	***	***
Price underselling (Range)	20-30	20-30

iii. Price suppression/depression

67. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increase that would have otherwise occurred.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Cost of production	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	109	122	124
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	102	111	114
Landed Value	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	101	103	113

68. It is seen from the table above that the cost of production has increased from 100 to 124 from base year to POI. The selling price increased only from 100 to 114 during the same period, thereby the prices were suppressed on account of dumped imports, as the domestic industry was not able to increase its prices in proportionate to increase in costs. Even though the landed prices have increased over the years, they are lower than the sales realization of the domestic industry during the POI as well as injury period. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry.

I. ECONOMIC PARAMETERS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

i. Profit/Loss

69. The profitability of the domestic industry is given in the following table;

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Profits	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	49	21	30
Cash Profit	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	61	40	47
ROCE	%	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	55	25	30

70. It is seen from the above table that profitability of the domestic industry declined significantly during the injury period including the POI. Cash profits as well as return on investment have declined in the POI compared to base year as well as the previous years.

ii. Cash Flow

71. Authority has examined the trends in cash profits in order to examine the impact of dumping on cash flow situation of the domestic industry. Information regarding cash profit of the domestic industry is given in the following table.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Cash profits	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	61	40	47

72. It is seen that the cash profits of the domestic industry has declined significantly over the injury period.

iii. Inventories

73. Inventories with the domestic industry moved as follows:

Particulars	Units	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Closing stock	MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	185	1123	1454

^{74.} It is noted that inventories with the domestic industry increased significantly in the POI as compared to the base year as well as the previous years.

iv. Productivity

75. Authority notes that productivity of the domestic industry has almost remain at the same level during period of injury.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	97	94	92

v. Employment and Wages

76. It is seen from the table below that the employment has remained almost at the same level throughout the injury period. Overall wages per employee, however, has increased in the POI as compared to the base year which is on account of the annual increment in the salary of the employees.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Employment	Nos.	268	270	270	272
Indexed	Trend	100	101	101	101
Wages/Employee	Rs.	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	113	139	139

vi. Magnitude of Dumping

77. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject country are above de mimimis and significant.

vii. Growth

78. The Authority notes from the table below that growth of the domestic industry in respect of production, sales, Market share & profitability was negative. The domestic industry has submitted that they were prohibited from taking benefits of increasing demand on account of increases in the dumped imports with significant price undercutting.

Particulars	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Sales (%)	-	-3	-6	-8
Production (%)	-	-3	-5	-6
Market Share (% Demand)	-	-21	-32	-32
Profitability per unit (%)	-	-51	-79	-70

viii. Ability to raise Capital Investment

79. The Authority notes that the domestic industry's ability to put in additional investments in the product depends upon the market situation. It is evident that the market share of the domestic industry has marked decline during the injury period. Hence, dumping of the product would certainly have adverse impact on the ability of the domestic industry to raise capital investment.

J. POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY THE INTERESTED PARTIES

Post Disclosure Statement submissions by the other Interested Parties

- 80. Various Requests have been made to provide thickness wise production and sales data of domestic industry so as to ascertain whether or not the Applicant is producing sheet glass of thickness less than 2 mm and size more than 920 mm X 1220 mm. However, these requests have neither been noted in the disclosure statement nor has such data been provided.
- 81. The Authority has only noted the submission that the Applicant is not manufacturing sheet glass of thickness less than 2 mm and size more than 920 mm X 1220 mm. This does not capture all the submissions made by the Respondent during the course of the investigation on the scope of PUC. Throughout the investigation, the Respondent have contended that sheet glass of thickness less than 2 mm, in particular 1.8 mm and size more than 920 mm X 1220 mm (which the Respondent requires) is not technically and commercially substitutable with sheet glass of thickness 2 mm and above and size 920 mm X 1220 mm and lesser (which the Applicant is willing to supply).
- 82. The quality of sheet glass manufactured by the Applicant is not up to the mark and cannot be relied upon. This submission has not even been recorded by the Authority in its disclosure statement.
- 83. The Applicant has claimed to have submitted some sample sales invoices to establish that it has produced/has the capability to produce sheet glass of thickness less than 2 mm. If the Applicant has submitted sample sales invoices to the Authority, the Respondent is at a loss to understand why the same haven't been made available to all the interested parties in the subject investigation.
- 84. The Respondent is unable to appreciate how the Authority has refused to accept the export price of an exporter who has only exported one consignment during the POI, but has readily accepted production in small quantities and mere sample sales invoices as proof of the Applicant's ability to manufacture sheet glass of thickness less than 2 mm.

- 85. The Applicant's contention that capability of the domestic producer to produce sheet glass of thickness less than 2 mm and size more than 920 mm X 1220 mm is a relevant factor is completely incorrect and unacceptable. The Authority has never placed reliance on the capability of the domestic producer to produce a certain variant of the PUC; it has always relied only on the actual production of the specific grade/type/variant when deciding the question whether certain grades/type/variant are to be excluded from the scope of PUC.
- 86. The Applicant does not satisfy the definition of "domestic industry" as per Rule 2(b) of the AD Rules and Article 4.1 of the ADA because the Applicant's output does not constitute a "major proportion" of the total production, due to the fact that sheet glass and float glass are "like products" as per Article 2.6 of WTO ADA. The Authority has stated in para 21 that sheet and float glass are not "like products", without any supporting reason whatsoever. The Respondent submits that the statements made by DGAD are required to be supported by some sort of evidence, and bald statements dismissing the arguments of the Respondent in one line does not suffice as a properly reasoned order.
- 87. Applicant has claimed excess confidentiality over various information like technical specifications, production process, purchase/sales policy, costing of subject goods etc.
- 88. The petition filed by the Applicant did not meet the evidentiary standards of Article 5.2 of the WTO Anti-Dumping Agreement due to the following reasons:
 - i. The Applicant has neither disclosed any evidence in its construction of normal value nor followed the correct procedure in determining the same.
 - ii. The Authority is required to disclose the prices based on which normal value is constructed for the exporter from China PR.
 - iii. The adjustments made by the Applicant with respect to the export price are abnormally high. Furthermore, no evidence has been adduced in support of the adjustments made to the export price.
 - iv. The Applicant has not complied with the requirements in the Application Proforma. For instance, there is no mention of the technical specifications of sheet glass, or any other information with regard to the size, quality, category and uses of the product under consideration.
- 89. Respondent has requested transaction wise import data in MS-EXCEL format and an explanation as to how the raw DGCIS data with regard to import of the subject goods was sorted by the Applicant. However, same has not been provided to the respondent. The Respondent considers this a serious breach of the principles of natural justice.
- 90. Normal value may be constructed individually for the exporters concerned. In para 34, the Authority has merely noted that since M/s Shouguang Yaobang Imp. & Exp. Industry Co., Ltd., China PR has not filed the response of the linked manufacturer; it is not entitled to an individual normal value and correspondingly, an individual dumping margin. In this regard, the Respondent had clearly submitted earlier that during the POI, Shouguang Yaobang has exported the subject goods manufactured by various unrelated producers in China. All these producers are unrelated to Shouguang Yaobang and not controlled by Shouguang Yaobang. Therefore, it is very difficult for Shouguang Yaobang to compel these producers to cooperate with the authority.
- 91. The Authority has rejected the export price of Shandong due to the fact that Shandong exported only one consignment of the subject goods during the period of investigation. The rejection of export price due to this reason is not provided for anywhere in the Act or AD Rules, thereby rendering such rejection of export price unjustified and illegal.
- 92. The Authority has considered the profits of the Applicant to be declining from 100 indexed points in 2010-11 to 49 indexed points in 2011-12, 21 indexed points in 2012-13 and 30 indexed points in the POI. However, it is to be noted that this is in direct contrast to the statements made by the Applicant in its Balance Sheet for the 2012-13 which corresponds with the POI in the present investigation. The Applicant has stated the following:

"For the year ended March 31, 2013 the company has made net profit of Rs. 123.90 lacs, an increase of 100.84% as compared to previous year."

93. The Respondent is engaged in manufacturing and exporting Wall Clocks with the famous brand Ajanta Quartz and other products with the brand name "ORPAT", and is one of the world's largest clock manufacturers. The Respondent contributes substantially to India's exports as well as employment to thousands of people. The

imposition of anti-dumping duty on a grade of sheet glass which is not even being manufactured by the Applicant would impact India's exports as well as the employment of a substantial number of people. This is clearly a "public interest" consideration which must be kept in mind by the Authority while considering the recommendation of imposition of anti-dumping duty.

94. The size of the customized glass imported by us is not manufacture by the domestic industry for which huge investment has been made in CNC glass cutting machine.

Post Disclosure Statement submissions by the Domestic Industry

- 95. Claim of the interested parties that the domestic industry does not have the capability to produce sheet glass of thickness less than 2mm, in particular 1.8mm and of various higher widths is without any basis and factually incorrect. Domestic industry has reiterated that it has the capability to produce the subject goods upto 12mm. Domestic industry has shown the product under consideration of various thickness and sizes to the Authority during their verification visit. Sample copies of the sales invoice of sheet glass of various thicknesses and sizes have already been provided to the Authority to substantiate our claim in this regard. These sample sales invoices includes invoices of thickness less than as well as thickness more than 2mm.
- 96. Indian economy is witnessing significant volatility in the rupee value vis-à-vis US dollars. Moreover, the reference price based duty does not take into account the price and cost volatility of the subject goods. In such a scenario, duty based on reference price will not be able to provide sufficient and effective protection to the domestic industry against dumped imports from the subject country. In such circumstances, we once again humbly request the Authority to levy fixed duty rather than reference price based duty as proposed by the interested parties.
- 97. Domestic industry has requested the Authority not to consider any document or evidence in relation to the product scope or any other issue at this stage of the investigations. The rejection of the fresh documents / evidence would be in accordance of the principles of natural justice and would also be in line with the consistent practice of the Authority followed in plethora of the case including Saccharin and CR Coil case.

Examination by the Authority

- 98. The Authority notes that all the issues raised by the other interested parties post issue of disclosure statement are by and large reiteration of their earlier submissions which have been appropriately dealt by the Authority in the relevant sections in the disclosure statement and now in the final findings also. However, for the sake of clarity and explicit narration, the Authority reiterates its examination below on the post disclosure submissions made by the other interested parties. The authority had in the disclosure statement captured essence and summarized various submissions appropriately rather than narrating each and every submission.
- 99. With regard to the submission of capability, production and domestic sales of different sizes and thicknesses of the subject goods by the domestic industry, the Authority notes that in the disclosure statement it has been clarified that the domestic industry has the capability to produce various thicknesses and sizes. Further, the Authority during the domestic verification had verified the same and holds that domestic industry has the capability to produce and did produce different thicknesses and sizes of the subject goods during the POI. Further, production and sales of subject goods in commercial quantities is dependent on demand and sales orders placed.
- 100. As regards the issue of exclusion of tinted/coloured glass, the Authority notes that production of tinted/coloured glass requires same plant and equipment with no technological upgradation. In view of this, these goods cannot be excluded from the scope of investigation as it might lead to circumvention.
- 101. With regards to the issue of quality, the Authority notes that may be the quality of Sheet Glass from China is better however; dumping is to address unfair price aspects. Further, difference in quality could only lead to consideration of exclusion from scope of investigation if it leads to emergence of a different article not passing the test of a like article. In this case the imported subject goods and the goods produced by the domestic industry have been held as 'like article'.
- 102. As regards the issue of public interest, the Authority notes that the purpose of anti-dumping duty is only to create a level playing field and to provide relief to domestic industry due to injurious effect of dumping. Further, it is noted that the anti-dumping duty is not envisaged to provide undue protection to the domestic industry. The Indian AD Rules further adopt the lesser duty rule for levy of Anti-dumping duty i.e the duty is limited to lower of the Dumping or Injury margin so that the interest of other stakeholders also gets addressed and a balanced view is taken.

- 103. With regard to the claim of other interested parties to place the domestic invoices in public file, the Authority notes that the domestic industry has claimed confidentiality regarding the same and it has been its consistent practice to admit confidentiality claims on domestic sales/ pricing/customers etc.
- 104. In response to the claim about refusal to accept the export price of the exporter who has exported only one consignment during the POI, the Authority reiterates its observation as mentioned in the disclosure statement that this consignment is not significant to establish a fair and realistic export price. Further, the Authority has followed this approach consistently in its earlier determinations as well.
- 105. As regards the contention on the standing of the domestic industry, the Authority reiterates that the sheet glass and float glass have not been considered as like article. The scope of investigation being is limited to sheet glass only and therefore, the issue of standing of domestic industry is trivial. The Authority therefore reiterates its finding on petitioner qualifying as domestic industry.
- 106. With regard to the issue of sorting of DGCI&S data, the Authority notes that the Non Confidential version of the petition was already available in the public file. Some interested parties have made their submissions on the basis of this data.
- 107. With regard to the issue of confidentiality, the Authority notes that it has considered and granted the claim of confidentiality on various parameters keeping in view its practice and principles of natural justice.
- 108. As regards the construction of normal value and grant of individual normal value and consequently dumping margin, the Authority notes that in the absence of response from the producer/exporter, individual dumping margin cannot be evaluated for any cooperating exporters. Further, the methodology on construction of normal value has been adopted as per the relevant provisions of the Anti-dumping Rules.
- 109. The authority has examined various injury parameters including profitability specifically for the subject goods under consideration during the period of investigation. The NIP has been determined as per the guidelines incorporated under the AD rules and consistent with the existing practice of determination. The profit shown in the Balance Sheet is reflecting the profitability of company as a whole, whereas the profit show in para 69 is relating to the PUC only.

K. CONCLUSION ON MATERIAL INJURY

- 110. Based on the above, the Authority concludes that the dumped imports of the subject goods from the subject country have increased in absolute terms as well as in relation to production and consumption of the subject goods in India. Imports of the product were undercutting the prices of the domestic industry in the market. Further, while the cost of production kept increasing over the injury period, the increase in selling price did not commensurate with the increase in the cost of production. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry and preventing the price increases that would have otherwise occurred in the absence of dumped imports. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is observed that while the demand for the product increased very significantly, the production and sales of the domestic industry declined due to the marked increase in the dumped imports. Resultantly, the domestic industry lost market share which, in turn, affected other performance parameters.
- 111. The Authority notes that the domestic industry has suffered injury on account of volume as well as price effect of imports, as a result of which the profitability of the domestic industry has declined. Return on capital employed and cash profits followed the same trend as that of profits. Both return on capital employed and cash profits marked negative growths in POI. Thus, growth in respect of most of the parameters such as production, sales, capacity utilization, profits, cash profits, return on capital employed, market share & inventory etc shows an adverse impact on the domestic industry. Thus, Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury.

L. CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS

112. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of the dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

(a) Volume and prices of imports from third country

113. During POI, imports of the subject goods from country other than the subject country have been insignificant in volume. Therefore, the imports from other country cannot be considered to have caused injury to the domestic industry.

(b) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

114. It is noted that there is a single market for the subject goods where dumped imports from the subject country compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is also noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

(c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

115. The Authority notes that demand for the product showed significant increase during the injury period and also during POI. The Authority thus concludes that injury to the domestic industry was not due to contraction in demand.

(d) Development in Technology

116. None of the interested parties has furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.

(e) Export performance of Domestic Industry;

117. Domestic industry is not indulged in the export sales during the entire injury investigation period. Therefore, Authority concludes that injury to the domestic industry was not due to export performance of the domestic industry.

(f) Productivity of the Domestic Industry

- 118. Productivity of the domestic industry almost remained at the same level throughout the injury period. Accordingly, it is clear that the injury to the domestic industry is not on account of loss of productivity.
- 119. From the foregoing, the Authority concludes that there is no evidence of injury being caused due to factors other than dumping.

M. FACTORS ESTABLISHING CAUSAL LINK

- 120. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated over the injury period. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:
 - (a) Imports from subject country are undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the volume of imports has increased significantly;
 - (b) Market share of the dumped imports increased significantly and consequently, market share of the domestic industry declined;
 - (c) Price undercutting being caused by the dumped imports is preventing the domestic industry from increasing its prices commensurate with the increase in costs resulting in decline in the profitability of the domestic industry during the POI as compared to the base year.
 - (d) The price depression effect of the dumped imports is evidenced from the fact that there is significant decline in profitability to the domestic industry;
 - (e) Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits are directly a result of dumped imports;
 - (f) The growth of the domestic industry became negative in terms of a price related economic as well as volume parameters.
 - 121. The above grounds clearly establish existence of causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry. Thus, the Authority concludes that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

N. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

122. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules, as amended. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject country.

Producers and Exporters from China PR

123. Injury margin for all producers and exporters from China PR has been determined by the Authority on the basis of best available facts.

Particulars	Non Injurious Price- US\$/MT		Injury Margin - US\$/ MT	Injury Margin	Injury Margin Range - %
All producers and Exporters from China PR	***	***	***	***	20-30

O. CONCLUSIONS:

- 124. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:
 - a. The product under consideration has been exported to India from subject country below its normal value, thus resulting in dumping of the product.
 - b. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject country.

P. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

- 125. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.
- 126. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would also prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

Q. RECOMMENDATIONS

- 127. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information/submissions on all aspect of the investigations including dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Anti-dumping Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of duty is required to offset dumping and injury, pending completion of the investigation. Further, the domestic industry has also represented that they continue to suffer injury on account of low value dumped imports from the subject country. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.
- 128. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of antidumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount mentioned in Col 8 of the table below is

[भाग I-खण्ड 1] भारत का राजपत्र : असाधारण 59

recommended to be imposed by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from China PR.

DUTY TABLE

Sl.No	Heading /Subheading*	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	7004 20 11 & 7004 20 19	Sheet Glass	China PR	China PR	Any	Any	63	MT	US\$
2	Do	Do	Any	China PR	Any	Any	63	MT	US\$
3	Do	Do	China PR	Any	Any	Any	63	MT	US\$

^{*} The subject goods are also being imported under other tariff headings such as 70031290, 70031990, 70033090, 70042099, 70049019, 70049099, 70052110, 70053090, 70091090, 70091010, 70099100, 70119090 etc. However, the customs classification is indicative only and is not binding on the scope of this investigation.

- 129. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
- 130. An appeal against the order of the Central Government arising out of these findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

J. K. DADOO, Designated Authority